mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-06 अंक-101 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
13 अप्रैल 2026 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

सिंगर आशा भोसले का 92 साल की उम्र में निधन

चेस्ट इंफेक्शन के बाद अस्पताल में भर्ती थीं, राजकीय सम्मान के साथ आज होगा अंतिम संस्कार होगा

मुबई , एजेंसी। सिंगर आशा भोसले का 92 साल की उम्र में निधन हो गया है। रविवार दोपहर मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्हें शनिवार शाम को यहां भर्ती किया गया था।

ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल के डॉ. प्रतीत समदानी ने न्यूज एजेंसी PTI को बताया कि आशा भोसले को कई मेडिकल समस्याएं थीं और मल्टी-ऑर्गन फेल्योर के कारण उनका निधन हुआ।

डॉ. प्रतीत समदानी ने PTI को बताया कि आशा भोसले को मल्टी ऑर्गन फैल्योर हुआ, यानी उनके कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। आशा भोसले के बेटे आनंद भोसले ने बताया कि जो लोग अंतिम दर्शन करना चाहते हैं, वे कल सुबह 11 बजे उनके घर आ सकते हैं। अंतिम संस्कार कल शाम 4 बजे शिवाजी पार्क में किया जाएगा।

12,000 से ज्यादा गाने गाए आशा भोसले ने अपने करियर में 14 से अधिक भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गाने गाए। उनके गाने 'इन आंखों की मस्ती', 'दम मारो दम', 'पिया तू अब तो आजा' और 'चुरा लिया है तुमने' आज भी सदाबहार हैं।

आशा भोसले मशहूर थिएटर एक्टर और क्लासिकल सिंगर दीनानाथ मंगेशकर की बेटी और लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं। जब वो सिर्फ 9 साल की थीं तब उनके पिता का निधन हो गया था, जिसकी वजह से उन्होंने बहन लता मंगेशकर के साथ मिलकर परिवार को सपोर्ट करने के लिए सिंगिंग शुरू कर दी थी।

निधन पर ममता बनर्जी ने दुख जताया

ममता बनर्जी ने कहा कि आशा भोसले एक अद्भुत और प्रेरणादायक सिंगर थीं, जिन्होंने पीढ़ियों तक लोगों के दिलों पर राज किया। उन्होंने यह भी कहा कि आशा भोसले ने कई बंगाली गीत भी गाए और बंगाल में भी वह बेहद लोकप्रिय थीं। वर्ष 2018 में उन्हें राज्य के सर्वोच्च नागरिक सम्मान बंग विभूषण से सम्मानित किया गया था। ममता बनर्जी ने उनके परिवार, संगीत जगत और दुनिया भर में मौजूद उनके करोड़ों प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

कैलाश खेर बोले- आशा जी हमेशा बेहद विनम्र और मिलनसार रहीं

सिंगर कैलाश खेर ने दैनिक भास्कर के साथ बातचीत में आशा भोसले के निधन पर दुख जताते हुए कहा, 'मैंने उनके साथ एक महीने का यूएस-कनाडा टूर किया, जो हमेशा याद रहेगा। इतनी सीनियर होने के बावजूद वह पूरे समय बेहद विनम्र और मिलनसार रहीं। उन्होंने कभी अपनी वरिष्ठता का घमंड नहीं किया। उनके साथ काम करना एक शानदार अनुभव रहा।'

पीएम मोदी ने बोले- आशा भोसले की आवाज हमेशा गूंजती रहेगी

नरेंद्र मोदी ने आशा भोसले के निधन पर कहा, 'भारत की सबसे प्रतिष्ठित और बहुमुखी आवाजों में से एक आशा भोसले जी के निधन से मैं बेहद दुखी हूं। उनका असाधारण संगीत सफर, जो दशकों तक चला, हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करता रहा और दुनिया भर के अनगिनत दिलों को छू गया। चाहे उनकी भावपूर्ण धुनें हों या जीवंत रचनाएं, उनकी आवाज में एक कालातीत चमक थी। मैं उनके साथ हुई मुलाकातों को हमेशा संजोकर रखूंगा। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, प्रशंसकों और संगीत प्रेमियों के साथ हैं। वह आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी और उनके गीत हमेशा लोगों के जीवन में गूंजते रहेंगे।'

नितिन गडकरी बोले- हमारा रिश्ता बेहद खास था

मंत्री नितिन गडकरी ने आशा भोसले के निधन पर कहा, 'आशा ताई और मेरे बीच कई वर्षों से बेहद करीबी संबंध रहे हैं। उन्होंने कई भाषाओं में अनेक गीत गाए, जो आज भी पूरी दुनिया में लोकप्रिय हैं। वह वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध थीं। जिस तरह लता दीदी ने अपने गायन से देश का नाम रोशन किया, उसी तरह आशा ताई ने भी देश को गौरवान्वित किया। उनका निधन उनके परिवार के लिए बहुत बड़ा आघात है। हम सभी बेहद दुखी हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति दे और परिवार को इस दुख को सहने की शक्ति प्रदान करे।'

राजस्थान-म.प्र.-यूपी समेत 16 राज्यों में आज से बढ़ेगी गर्मी

मनाली में बर्फबारी, पारा माइनस 7 डिग्री पहुंचा; जम्मू में बवंडर उठा

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में गर्मी बढ़ रही है। मौसम विभाग के मुताबिक राजस्थान, यूपी-एमपी, दिल्ली, गुजरात समेत देश के 16 राज्यों में इस हफ्ते पारा 40डिग्री तक पहुंच सकता है। मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़, ओडिशा में 2 दिन बाद लू चलने की आशंका है। हालांकि, रविवार को केरल, कर्नाटक, सिक्किम, बंगाल, जम्मू-कश्मीर, असम, मेघालय, अरुणाचल, मणिपुर मिजोरम, त्रिपुरा और नगालैंड में बारिश का अलर्ट है। शनिवार शाम को अटल टनल और मनाली के आसपास के इलाकों में हल्की बर्फबारी हुई। शनिवार रात मनाली में तापमान माइनस 7डिग्री तक गिर गया।

इधर, जम्मू के अखनूर एक बवंडर देखा गया। यह दुर्लभ घटना एक खुले मैदान में लगभग 10 मिनट तक चली। किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ है।

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से, 57 दिन चलेगी

पहला जत्था 1 जुलाई को रवाना होगा, 15 अप्रैल से शुरू होंगे रजिस्ट्रेशन

श्रीनगर, एजेंसी। अमरनाथ यात्रा की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बताया कि इस साल 3 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त तक चलेगी। 57 दिन चलने वाली इस यात्रा के लिए पहला जत्था 1 जुलाई को रवाना होगा। यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू होंगे। LG सिन्हा ने यात्रा की जानकारी देते हुए लोक भवन में मीडिया को बताया कि 13 से 70 साल की उम्र के तीर्थयात्री यात्रा कर सकते हैं। यात्रा अनंतनाग से पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान-पहलगाम रूट और गांदरबल से 14 किमी लंबे बालटाल रूट से होगी।

देशभर में 556 बैंक ब्रांच से होगा ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन : LG सिन्हा ने बताया कि देशभर में लगभग 556 तय बैंक शाखाओं के जरिए यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है, जबकि श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन भी होगा।

रजिस्ट्रेशन के लिए यस बैंक, ICICI बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और एक्सिस बैंक की ब्रांचेस में यात्रा के रजिस्ट्रेशन फॉर्म उपलब्ध रहें।।

ईरान-अमेरिका की 21 घंटे चली बातचीत बेनतीजा:

अमेरिकी उपराष्ट्रपति बोले उन्हें फाइनल ऑफर दिया

ईरान बोला- ट्रम्प की शर्तें ज्यादा सख्त

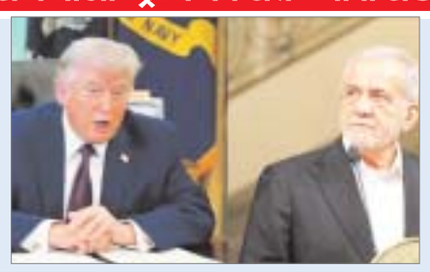

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच शांति को लेकर चल रही बातचीत बेनतीजा रही। यह 21 घंटे से ज्यादा समय तक चली। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों के बीच होर्मुज स्ट्रेट खोलने और न्यूक्लियर प्रोग्राम पर पेंच फंसा है।वेंस अपनी टीम के साथ अमेरिका के लिए रवाना हो गए हैं। लौटने से पहले उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि अमेरिका बिना डील के लौट रहा है। यह अमेरिका से ज्यादा ईरान के लिए बुरी खबर है।उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी समझौते के लिए जरूरी है कि ईरान ये वादा करे कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। अमेरिका की शर्तें स्पष्ट थीं, लेकिन ईरान ने उन्हें नहीं माना। वेंस ने यह भी कहा कि आगे समझौते की संभावना पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। उन्होंने कहा, 'हम उन्हें फाइनल ऑफर देकर जा रहे हैं। अब देखना है कि ईरान इसे मानता है या नहीं। '

100 की स्पीड में बस ने पिकअप को उड़ाया, 13 मौतें

कटिहार में सड़क पर बिखरीं लाशें; बाइक सवार को रौंदकर भाग रहा था बस ड्राइवर

कटिहार, एजेंसी। बिहार के कटिहार में शनिवार देर शाम बस और पिकअप की टक्कर में 13 लोगों की मौत हो गई। इसमें एक ही परिवार के 5 लोग शामिल हैं। मृतकों में 10 महिलाएं, 2 पुरुष और एक बच्ची है। इसमें 11 मृतक पूर्णिया जिले के रहने वाले थे, जबकि दो कटिहार के हैं। हादसे में 32 से ज्यादा घायल हैं।इनमें 8 की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसा कटिहार के कोढ़ा ब्लॉक में हृा-31 पर हुआ। बस से टक्कर के बाद लोगों के शव सड़क पर बिखर गए। चश्मदीद ने बताया कि हादसे के वक्त ड्राइवर ने शराब पी रखी थी। गाड़ी की स्पीड भी 100 से ज्यादा थी। बस ड्राइवर ने पहले एक बाइक को उड़ाया इसके बाद पिकअप से टक्कर हुई। पिकअप सवार सभी झारखंड से मेला देखकर लौट रहे थे। हादसे के बाद ष्टरू ने मृतकों के परिवार को 2-2 लाख और घायलों को 50-50 हजार की मदद का ऐलान किया है। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया, 'शनिवार देर शाम हम कटिहार के आसपास थे। अचानक से तेज आवाज आई, जैसे बम फटा हो। कुछ भी समझ नहीं आया। सड़क पर लाशें बिछ गई।हमारे पिकअप का ड्राइवर स्टीयरिंग में फंस गया। लोगों ने रॉड से स्टीयरिंग सीधी कर उसके शव को बाहर निकाला। बस की स्पीड 100 से ज्यादा थी।उसने पहले 2 बाइक सवारों को टक्कर मारी। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

मोदी बोले: टीएमसी ने मदरसों के लिए 6000 करोड़ दिए

अब 15 साल का हिसाब देना होगा सिलीगुड़ी की जनसभा उनकी नींद उड़ा देगी

नई दिल्ली/कोलकाता/ चेन्नई, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि चुनाव के बाद बंगाल से टीएमसी का जाना तय है। कल मेरे रोड शो में लोगों ने जो प्यार दिखाया, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता। आज सिलीगुड़ी की यह जनसभा टीएमसी की नींद उड़ा देगी। पीएम का आज पश्चिम बंगाल दौरे का दूसरा दिन है। वे सिलीगुड़ी में जनसभा कर रहे थे। मोदी ने दार्जिलिंग की सभी 5 और जलपाईगुड़ी जिले की सभी 7 सीटों पर भाजपा के उम्मीदवारों के लिए वोट मांगे। इस दौरान उन्होंने कहा- TMC ने मदरसों के लिए 6000 करोड़ दिए, लेकिन यहां के विकास के लिए कुछ नहीं किया। वह सिर्फ अपने खास वोट बैंक के लिए पैसे देती है। आपने ञ्जरूष्ट के निर्मम शासन काल में इतने सालों में पश्चिम बंगाल की बर्बादी देखी है। उन्हें 15 साल का हिसाब देना होगा।

सभा के दौरान पीएम ने CAA (नागरिकता (संशोधन) अधिनियम) का भी जिक्र किया। उन्होंने 'कमल खिलाओ, घुसपैठिया भगाओ' के नारे लगाते हुए कहा कि TMC की सरकार निर्मम है, लेकिन हमने CAA की मदद से आपको वोटिंग की गारंटी दी है। चाय उत्पादकों पर उन्होंने कहा कि असम आपके पड़ोस में है और वहां की भाजपा सरकार ने चाय बागान श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर महत्वपूर्ण काम किया गया है और श्रमिकों को भूमि पट्टे दिए जा रहे हैं। बंगाल में भी श्रमिक परिवारों को भूमि पट्टे दिए जाएंगे।

पीएम ने शनिवार को सिलीगुड़ी में रोड शो किया था

इससे पहले पीएम ने शनिवार को बंगाल के पूर्व वर्धमान जिले के कटवा, मुर्शिदाबाद के जंगीपुर और दक्षिण दिनाजपुर जिले के कुशमंडी में तीन रैलियों को संबोधित किया था। फिर देर शाम सिलीगुड़ी पहुंचकर पीएम ने रोड शो किया था।

देश में करीब ढाई करोड़ यूट्यूब चैनल्स

सिर्फ 30 लाख ही प्रोफेशनल, कई गलत सलाह या कॉपी-पेस्ट वाला कंटेंट फैला रहे

नई दिल्ली,एजेंसी। देश में लगभग 2.5 करोड़ एक्टिव यूट्यूब चैनल्स में से महज 30 लाख ही प्रोफेशनल हैं, बाकी करोड़ों चैनलों में से कई बिना नियमन या कमाई के गलत सलाह या कॉपी-पेस्ट वाला कंटेंट फैला रहे हैं।इन्फ्लुएंसर ट्रस्ट रिपोर्ट के मुताबिक देश में यूट्यूब के हर महीने करीब 50 करोड़ एक्टिव यूजर्स है। अब यह सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक डॉक्टर, मैकेनिक, जिम ट्रेनर और कानूनी सलाहकार तक बन चुका है। यदि इन चैनलों पर बताई गई किसी सलाह से किसी को नुकसान हो जाए तो न्याय पाने का रास्ता इतना पेचीदा है कि अपराधी साफ बच निकलता है। देश में हर 10 में से 7 लोग यूट्यूब की सलाह पर भरोसा करते हैं, जिनमें से 60% उसे बिना क्रॉस-चेक किए सही मान लेते हैं।

अमरावती प्रोजेक्ट में पैसा बरसा

विश्व बैंक ने जारी किए 340 मिलियन डॉलर, अप्रैल में और निवेश से बढ़ेगी रफ्तार

मुंबई , एजेंसी। आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती के विकास कार्यों को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से बड़ी आर्थिक सहायता मिल रही है। विश्व बैंक ने अब तक अमरावती कैपिटल फेज-1 के लिए 340 मिलियन अमेरिकी डॉलर जारी कर दिए हैं। वहीं, अप्रैल के अंत तक अतिरिक्त 130 से 150 मिलियन डॉलर मिलने की संभावना जताई जा रही है। राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, यह फंडिंग विश्व बैंक और एशियन डेवलपमेंट बैंक (ADB) की संयुक्त योजना का हिस्सा है, जिसके तहत कुल 1,600 मिलियन डॉलर (800-800 मिलियन डॉलर प्रत्येक संस्था से) का निवेश किया जाना है।

ब्याज दर और फंडिंग मॉडल

अधिकारियों ने बताया कि इस ऋण पर लगभग 8 से 8.5 प्रतिशत ब्याज दर लागू होगी, जो अंतरराष्ट्रीय बाजार दरों के अनुसार बदलती रहेगी। विश्व बैंक के अनुसार, यह परियोजना 'परफॉर्मेंस बेस्ड फंडिंग मॉडल' पर आधारित है, जिसमें धनराशि तय मील के पत्थरों को हासिल करने के बाद जारी की जाती है, न कि तय समय सारणी के आधार पर।

अमरावती को आधुनिक शहर बनाने की योजना: इस योजना का उद्देश्य अमरावती को एक आधुनिक, निवेश-आकर्षक और रोजगार सृजन करने वाला शहर बनाना है। इसके लिए शासन व्यवस्था को मजबूत करने और शहरी ढांचे के विकास पर काम किया जा रहा है। इसके तहत सड़क नेटवर्क, आवास परियोजनाएं, जल आपूर्ति, सीवेज और ड्रेनेज सिस्टम जैसे बुनियादी ढांचे का विकास तेजी से किया जा रहा है। परियोजना के तहत युवाओं और महिलाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम भी चलाए जा रहे हैं, ताकि वे नए शहर में पैदा होने वाले रोजगार अवसरों का लाभ उठा सकें।

देश में केवल एक तिहाई बच्चे ही एरोबिक फिटनेस माकनों पर खरे उतरे, एक्सपर्ट्स ने जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर के 112 शहरों के 333 स्कूलों में 1.4 लाख से ज्यादा बच्चों पर किए गए सर्वे में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। रिपोर्ट के मुताबित, केवल 34 प्रतिशत भारतीय स्कूली बच्चे ही एरोबिक फिटनेस के मानकों पर खरे उतर पाए। यह सभी फिटनेस संकेतकों में सबसे कमजोर प्रदर्शन है। ये नतीजे कमजोर कार्डियोवैस्कुलर सहनशक्ति, कमजोर मांसपेशियों की ताकत और अलग-अलग तरह के स्कूलों के बीच असमानताओं को उजागर करते हैं, जबकि ष्टश1द्बस्र-19 बाद फिटनेस का कुल स्तर धीरे-धीरे सुधर रहा है। ये रिपोर्ट एक मिली-जुली तस्वीर पेश करती है। जहां लचीलापन और ताकत के नतीजे काफी अच्छे हैं, वहीं फिटनेस का कुल प्रोफाइल अभी भी असमान बना हुआ है। एरोबिक क्षमता सबसे ज्यादा चिंताजनक कमजोरी है, जिसमें सिर्फ 34% बच्चे ही स्वस्थ

मानकों को पूरा करते हैं। यह कम कार्डियोवैस्कुलर फिटनेस और शारीरिक गतिविधि को लगातार बनाए रखने की सीमित क्षमता को दर्शाता है। बैरिएट्रिक सर्जन डॉ. संजय बोरुडे ने कहा, 'एरोबिक क्षमताओं में बच्चों के पीछे रहने का मुख्य कारण बढ़ता मोटापा है, जो हर दिन और आम होता जा रहा है।' सहनशक्ति के अलावा, ऊपरी और निचले शरीर की ताकत सभी उम्र के समूहों और क्षेत्रों में लगातार कमजोर बनी हुई है। निचले शरीर की ताकत विशेष रूप से चिंता का विषय है, जो संतुलन, गतिशीलता और कुल शारीरिक स्थिति से जुड़ी समस्याओं का संकेत देती है।

शारीरिक व्यायाम दिनचर्या का जरूरी हिस्सा होना चहिए: सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल में पुनर्वास और खेल चिकित्सा के निदेशक डॉ. आशीष कॉन्ट्रैक्टर ने इन रुझानों को पर्यावरणीय और व्यवहारिक कारकों से जोड़ा। उन्होंने कहा, 'बचपन के दौरान, शारीरिक गतिविधि की क्षमता सबसे ज्यादा होती है, लेकिन आज सबसे बड़ी बाधाओं में से एक खुली जगहों और खेल सुविधाओं तक पहुंच की कमी है।' उन्होंने कहा कि पारिवारिक और संस्थागत, दोनों ही स्तरों पर, शारीरिक व्यायाम को बाद में सोचने वाली चीज के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। यह बच्चे की रोजमर्रा की दिनचर्या का एक जरूरी हिस्सा होना चाहिए। इसके विपरीत, लचीलापन (70%) और ताकत (87%) के नतीजे बेहतर हैं, जिससे पता चलता है कि फिटनेस के कुछ पहलुओं को बनाए रखा जा रहा है। ये नतीजे स्पोर्ट्स विलेज द्वारा जारी 14वें वार्षिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण का हिस्सा हैं।

सरकारी स्कूल के छात्रों का बेहतर प्रदर्शन: सरकारी स्कूलों के छात्र फिटनेस के सात में से पांच मानकों में निजी स्कूलों के छात्रों से बेहतर प्रदर्शन करते हैं। यह अंतर एरोबिक और एनारोबिक क्षमता जैसे सहनशक्ति के मानकों में सबसे ज्यादा साफ दिखता है, जिससे पता चलता है सरकारी स्कूलों के बच्चों में रोजाना शारीरिक गतिविधि ज्यादा होती है। इसका संबंध शायद आजादी से खेलने और घूमने-फिरने के ज्यादा मौकों से हो सकता है। हालांकि, दोनों ही तरह के स्कूलों में निचले शरीर की ताकत कमजोर बनी हुई है, जो ढांचागत कमियों का संकेत है। खान-पान भी इसमें एक भूमिका निभा सकता है।

गुरुग्राम में दमकलकर्मियों की हड़ताल चौथे दिन भी जारी, आखिर क्या हैं उनकी 22 मांगें

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम में अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों की हड़ताल शनिवार को चौथे दिन भी जारी रही। सेक्टर-29 स्थित दमकल केंद्र के बाहर सुबह से ही कर्मचारी एकत्र होकर धरने पर बैठे रहे और नारेबाजी की। कर्मचारियों ने स्पष्ट कहा कि यदि उनकी मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। एक हड़ताली कर्मचारी ने बताया कि लगातार चार दिन से ड्यूटी से दूर रहना उनके लिए आसान नहीं है, लेकिन मजबूरी में यह कदम उठाना पड़ रहा है। उनका कहना है कि फरीदाबाद अग्निकांड में जान गंवाने वाले साथियों के परिवारों को अभी तक संतोषजनक सहायता नहीं मिली है, जिससे विभाग के कर्मचारियों में भारी रोष है। हम अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की सुरक्षा करते हैं, लेकिन जब हमारे अपने साथी हादसे का शिकार होते हैं तो सरकार की ओर से ठोस सहयोग नहीं मिलता। कर्मचारियों ने मांग दोहराई कि मृतक दमकलकर्मियों के आश्रितों को एक-एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को पक्की नौकरी दी जाए। इसके साथ ही वेतन विसंगतियों को दूर करने, समान कार्य के लिए समान वेतन और जोखिम भत्ता लागू करने सहित 22 मांगों को जल्द पूरा करने की मांग भी उठाई गई। उधर, प्रशासन ने हड़ताल के चलते आपातकालीन सेवाएं प्रभावित न हों, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था लागू कर रखी है। विभागीय मुख्यालय के निर्देश पर रोडवेज के 51 चालकों को अस्थायी रूप से तैनात किया गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में राहत कार्य प्रभावित न हो। कर्मचारी नेताओं ने बताया कि यदि सरकार के साथ जल्द कोई सकारात्मक वार्ता नहीं होती है तो आंदोलन को अनिश्चितकालीन किया जा सकता है।

दोस्त बनाकर लूटता रहा आबरू, दुष्कर्म का वीडियो रिकॉर्ड कर बनाया मतांतरण का दबाव

शादी के प्रस्ताव पर खुली पोल

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद में लोनी के बॉर्डर थाना क्षेत्र में नाम बदलकर दिल्ली की रहने वाली युवती से दोस्ती के बाद दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। युवती का आरोप है कि आरोपी ने उन पर मतांतरण करने का भी दबाव बनाया। पुलिस ने मामला संज्ञान में न होने की बात कही है। युवती ने बताया कि उनकी परिचित समुदाय विशेष की लड़की ने युवक से उनको मिलवाया था। युवक ने अपना हिंमाशु नाम बताया था। इसके बाद दोनों एक-दूसरे से मिलते रहे और दोस्ती बढ़ती चली गई। बताया कि एक दिन उसने अपनी बहन से मिलवाने का झांसा देकर लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की कृष्णा विहार कॉलोनी स्थित होटल में बुला लिया, जहां पर कोल्ड ड्रिंक्स में नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म कर वीडियो बना लिया। युवती के अनुसार, होश में आने पर आरोपी ने उनसे कहा कि अगर किसी से शिकायत की तो सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर दूंगा। आरोपी डराकर काफी समय से शारीरिक संबंध बनाता चला आ रहा है। कुछ दिन पूर्व इंद्रापुरी कॉलोनी स्थित होटल में उसने कॉल कर बुलाया, जहां पर उन्होंने युवक के सामने शादी का प्रस्ताव रखा।

नोएडा सेक्टर-18 मेट्रो के बाहर कदम रखते ही जाम, जिम्मेदारों की लापरवाही से परेशान हो रहे लोग

नोएडा, एजेंसी। यह आधुनिक नोएडा है-चौड़ी सड़कें, मेट्रो की तेज रफ्तार और स्मार्ट सिटी का दावा, लेकिन जैसे ही सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन से बाहर निकलते हैं, हकीकत एकदम अलग दिखाई देती है। मेट्रो से उतरते ही ऐसा लगता है मानो शहर की रफ्तार, सफाई और व्यवस्था-तीनों यहीं आकर थम जाती हों। सीढ़ियों की ओर बढ़ते ही दीवारों और कोनों में पान की पिक के लाल निशान साफ नजर आते हैं। कई जगह दाग सूखकर परत बन चुके हैं। सीढ़ियों के किनारे प्लास्टिक गिलास, बोतलें और खाने के रैपर जैसे कूड़े के छोटे-छोटे ढेर पड़े हैं, जिनके बीच से लोग नाक सिकोड़ते हुए जल्दी-जल्दी निकलते हैं। सीढ़ियों से

नीचे उतरते ही आ जाता है रेहड़ी-पटरी, ठेले वालों का अतक्रिमण। स्टेशन के बाहर निकलते ही ऑटो और ई-रिक्शा की लंबी कतार मिलती है। कई चालक आधी सड़क घेरकर खड़े रहते हैं, जबकि कुछ बीच रास्ते में ही सवारी बैठाने लगते हैं। इससे पीछे से आने वाले वाहनों की रफ्तार अचानक थम जाती है और कुछ ही मिनटों में जाम लग जाता है।

एप टैक्सी और निजी वाहनों का दबाव: स्टेशन के बाहर कार और बाइक चालक अपने परिचितों को लेने के लिए गेट के सामने ही वाहन खड़े कर देते हैं। ओला-उबर जैसी ऐप आधारित टैक्सियां भी यहीं रुककर सवारी का इंतजार करती हैं। नतीजा-पहले से संकरी सड़क और बाधित हो जाती है। सड़क किनारे कूड़े के ढेर और उनसे उठती बदबू माहौल को और खराब करती है। पास में ही चाय-नाश्ते की रेहड़ियां, कपड़ो से लेकर बर्तन तक की सैकड़ों दुकानें करीब 130 मीटर चौड़ी सड़क में 70 मीटर तक की आधी सड़क पर दुकानदारों ने अतिक्रमण कर रखा है। हालात तो इतने बदतर है कि यहां से एक जगह से चलकर दूसरी जगह जाना मानो किसी जंग से कम नही। और तो और फुटपाथ तक पर कुछ दुकानदारों ने अपना अधिकार जमा रखा है ।

गुरुग्राम में गर्मियों के दौरान नहीं होगा पेयजल संकट, सप्लाई नेटवर्क पर निगम खर्च करेगा 38 करोड़ रुपये

गुरुग्राम, एजेंसी। गर्मी के दिनों में पेयजल संकट खत्म करने के लिए नगर निगम ने तैयारी कर ली है। पानी की सप्लाई, बूस्टिंग स्टेशन, ट्यूबवेल और डिस्ट्रीब्यूशन पाइपलाइन के संचालन व रखरखाव का जिम्मा निजी एजेंसियों को सौंपा जाएगा और इस पर 38 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। दो साल के लिए रखरखाव एजेंसिसों को काम सौंपने की तैयारी की जा रही है। वार्ड 11, 14, 15 और 18 के लिए 9.3 करोड़ रुपये खर्च होंगे। वार्ड 1, 12 और 13 में 7.9 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा वार्ड 9, 10, 16 और 17 में 6.9 करोड़, डिवीजन 4ए के तहत वार्ड 20, 21 और 22 में 5.9 करोड़ रुपये की लागत आएगी। वहीं बूस्टिंग स्टेशनों और अन्य क्षेत्रों के लिए भी अलग से करोड़ों रुपये के टेंडर प्रस्तावित हैं। नगर निगम के कार्यकारी अभियंता संदीप सिहाग ने बताया कि एजेंसियों को लंबी अवधि का काम सौंपने का फायदा मिलेगा। इससे पेयजल व्यवस्था सुधरेगी। बता दें कि गर्मी के दिनों में बोरवेल खराब होने, मोटर जलने सहित बूस्टिंग स्टेशनों पर तकनीकी खराबी के कारण रिहायशी क्षेत्रों में तीन से चार दिन तक भी पेयजल संकट हो जाता है। अचानक नगर निगम में भी पानी की किल्लत की परेशानी बढ़ जाती है। अधिकारियों का कहना है कि अब रखरखाव की पूरी जिम्मेदारी एजेंसी की होगी।

विनय क्वात्रा बोले- भारत का 'विजन 2047' नीतियों पर आधारित; अमेरिका के साथ संबंधों पर कही यह बात

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने टेक्सास में एक कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि 2047 तक 'विकसित राष्ट्र' बनने की भारत की यात्रा शैक्षणिक और नीतिगत विमर्श पर आधारित है। विनय क्वात्रा ने ये बातें ऑस्टिन इंडिया कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में अपने वर्चुअल संबोधन के दौरान कहीं। इसका आयोजन ऑस्टिन की टेक्सास यूनिवर्सिटी के मैककॉम्ब्स बिजनेस स्कूल ने किया था। आयोजकों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के 'विजन 2047' या 'विकसित भारत' की ओर बढ़ने के रास्ते पर विचार-विमर्श करने के लिए इस तरह की दूरदर्शी पहलें बेहद जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि भारत के विकास को आकार देने वाले निर्णय गहरी नीतिगत चर्चाओं पर आधारित होते हैं, जो आने वाले दशकों में देश की परिवर्तनकारी प्रगति की नींव रखते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की विकास और नवाचार यात्रा से भारत और अमेरिका दोनों को साझा लाभ मिलेंगे, और साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि दोनों देशों के बीच रणनीतिक और आर्थिक तालमेल लगातार गहरा होता जा रहा है। भारत के दीर्घकालिक विकास पथ के विषय पर आयोजित इस कॉन्फ्रेंस में अलग-अलग हितधारक एक साथ आए, ताकि वे देश के बदलते नीतिगत परिदृश्य और विकास प्राथमिकताओं की समीक्षा कर सकें। ह्यूस्टन में भारत के महावाणिज्य दूत डीसी मंजूनाथ ने 'द ग्रोथ ट्रायंगल' (विकास त्रिकोण) शीर्षक वाले एक अलग सत्र के दौरान कहा कि भारत-अमेरिका संबंध कई स्तंभों पर लगातार मजबूत हो रहे हैं, जिनमें सरकार-से-सरकार, व्यापार-से-व्यापार और लोगों-से-लोगों के बीच जुड़ाव शामिल है। उन्होंने कहा कि ये तीनों स्तंभ द्विपक्षीय संबंधों की लगातार ऊपर की ओर बढ़ती यात्रा का आधार रहे हैं, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग और मजबूत हुआ है। उप-राष्ट्रीय साझेदारियों के बढ़ते महत्व की ओर इशारा करते हुए मंजूनाथ ने भारत और टेक्सास के बीच सहयोग को व्यापक भारत-अमेरिका संबंधों का एक प्रमुख घटक बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह के क्षेत्रीय जुड़ाव आर्थिक जुड़ाव, नवाचार और संस्थागत सहयोग को बढ़ावा देने में लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मंजूनाथ ने ऑस्टिन की टेक्सास यूनिवर्सिटी के नेतृत्व और संकाय सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

ईरान से वार्ता पर ट्रंप बोले- नतीजे से अमेरिका को फर्क नहीं पड़ता, हम जीते हैं; चीन को दी धमकी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच रविवार को पाकिस्तान में ऐतिहासिक वार्ता जारी है। इसी बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी वार्ता को ज्यादा अहमियत नहीं दी। उन्होंने कहा कि किसी भी नतीजे से अमेरिका को फर्क नहीं पड़ता क्योंकि 'हम जीते हैं'।व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, 'देखते हैं क्या होता है, शायद समझौता हो जाए, शायद न हो।' उन्होंने आगे कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। अमेरिका के नजरिये से हम जीते हैं।

पाकिस्तान में जारी वार्ता पर क्या कहा: राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, कई घंटों से ईरान के साथ बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा, वे कई घंटों से बैठक कर रहे हैं। हम देखेंगे क्या होता है। लेकिन किसी भी हाल में हम जीतते हैं। शायद वे समझौता करें, शायद न करें। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। अमेरिका के नजरिये से हम जीतते हैं। नावें आगे बढ़ रही हैं और हमारे देश की तरफ आ रही हैं। हम बड़े टैंकरों में तेल और गैस भर रहे हैं।

'होर्मुज में बारूदी सुरंगों की जांच कर रही अमेरिकी सेना' :ट्रंप ने यह भी माना कि ईरान के साथ 'बहुत गहरी बातचीत' चल रही है। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी सेना होर्मुज जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंगों की जांच कर रही है। यह रास्ता अभी भी लगभग बंद है, जिससे तेल और गैस ले जाने वाले जहाजों को परेशानी हो रही है।

'नाटो से नहीं मिली मदद'

इस सवाल के जवाब में कि क्या अमेरिका ईरानी संपत्तियां जारी करेगा, राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, हम देखेंगे क्या होता है। हम ईरान के साथ गहरी बातचीत में हैं, हम किसी भी स्थिति में जीतते हैं। हमने उन्हें सैन्य रूप से हरा दिया है। हम होर्मुज जलडमरूमध्य का मार्ग खाली कर रहे हैं, चाहे समझौता हो या न हो, मेरे लिए कोई फर्क नहीं पड़ता और इसका कारण यह है कि हमने जीत हासिल कर ली है। हमें उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) से मदद नहीं मिली।

चीन को भी दी चेतावनी :

ट्रंप ने आगे कहा, उनके (ईरान के) पास कोई नौसेना, रडार या वायु सेना नहीं है। उनके सभी नेता मारे जा चुके हैं। उन्होंने कई वर्षों तक शासन किया, वे अब चले गए हैं। इन सबके साथ देखते हैं क्या होता है। लेकिन मेरे नजरिये से मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। चीन की ओर से ईरान को हथियार भेजने की खबरों पर राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, अगर चीन ऐसा करता है, तो चीन को बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। इस समय अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में आमने-सामने की ऐतिहासिक बातचीत चल रही है। यह बातचीत उस अस्थायी संघर्षविराम के कुछ दिन बाद हो रही है, जो दो हफ्ते पहले घोषित हुआ था। यह युद्ध अब सातवें हफ्ते में पहुंच चुका है, जिसमें हजारों लोगों की मौत हुई है। और वैश्विक बाजार प्रभावित हुए हैं। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस कर रहे हैं।

सुविधाओं के लिए तरस रहा गाजियाबाद का ये इलाका, वाटर एटीएम भी पड़ा बंद

गाजियाबाद, एजेंसी। आबादी बढ़ने के साथ लोनी बाजार का विस्तार तो हुआ लेकिन सुविधाएं नहीं बढ़ पाई। व्यापारियों का आरोप है कि पेयजल से लेकर शौचालय तक की सुविधा बाजार में नहीं है। इससे ग्राहकों को भी परेशानी उठानी पड़ती है। पार्किंग न होने से जाम की समस्या बाजार में रहती है। वहीं, उनका कहना है कि कई बार मांग करने के बाद भी बाजारों को जरूरी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। बाजार के पास से ही गाजियाबाद के लिए बसें चलती हैं। इसके अलावा आटो और ई-रिक्शा प्रतिदिन गाजियाबाद व दिल्ली के लिए चलते हैं। इससे कई बार जाम के कारण लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। रेहड़ी-ठेली सड़क पर लगने से स्थिति और भी खराब हो जाती है। लोनी तिराहा, दिल्ली-सहारनपुर मार्ग व गाजियाबाद सड़क के दोनों किनारों पर ठेली व छोटी-बड़ी दुकानें संचालित हैं। ब्लाक के 22 ग्राम पंचायत व लोनी शहर समेत अन्य स्थानों के लोग इस बाजार में आते हैं, लेकिन यहां पेयजल और पिंक शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं।

बंद पड़ा है वाटर एटीएम: बाजार में तिराहे मंदिर के पास लगा वाटर एटीएम बंद पड़ा है। लोगों को पानी के लिए बोतलबंद पानी पर निर्भर रहना पड़ता है। महिलाओं के लिए पिंक शौचालय बाजार से दूर बना है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि अगर बाजार में स्थायी स्टैंड, पार्किंग, पेयजल की व्यवस्था कर दी जाएं तो लोगों को सुविधाएं भी होंगी। बाजार में सुविधाओं के अभाव में लोग परेशान हो रहे हैं। पेयजल, शौचालय लोगों की बुनियादी जरूरतें हैं। जिम्मेदारों को इस पर ध्यान देना चाहिए। - मुकेश, स्थानीय व्यापारी बुनियादी सुविधाएं देना सरकार की जिम्मेदारी है। साधन-संसाधन के बाद भी लोग परेशान हैं। खराब वाटर एटीएम को ठीक किया जाए। पार्किंग न होने से ग्राहक दुकान के सामने गाड़ी खड़ी कर देते हैं, जिससे आने जाने में परेशानी होती है। लोनी तिराहे के आसपास हमेशा आटो और ई-रिक्शा खड़े रहते हैं, जिससे जाम लगता है।

होर्मुज में खतरा बरकरार, अपनी ही बिछाई समुद्री बारूदी सुरंगें नहीं हटा पा रहा ईरान

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य में बिछाई गई समुद्री बारूदी सुरंगों का न तो सही तरीके से पता लगा पा रहा है और न ही उन्हें तेजी से हटाने में सक्षम है। इस बात का खुलासा न्यूयॉर्क टाइम्स ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से किया है। रिपोर्ट के अनुसार हाल की सैन्य गतिविधियों के दौरान बिछाई गई इन सुरंगों के कारण यह अहम समुद्री मार्ग पूरी तरह से सामान्य संचालन में नहीं लौट पाया है। इससे अंतरराष्ट्रीय जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है और समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस घटनाक्रम का असर पाकिस्तान में इस्लामाबाद में चल रही बातचीत पर भी पड़ सकता है। माना जा रहा है कि यह मुद्दा बातचीत में उठेगा, जहां दोनों पक्षों के प्रतिनिधिमंडल मौजूद हैं। इस वार्ता में अमेरिका की ओर से जेडी वेंस और ईरान की ओर से मोहम्मद बाघेर गालिबाफ प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

फारस की खाड़ी को ओमान की

खाड़ी : और अरब सागर से जोड़ने वाला होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्गों में से एक है। यहां से दुनिया के कुल तेल परिवहन का लगभग पांचवां हिस्सा गुजरता है।भारत जैसे देशों के लिए यह मार्ग और भी ज्यादा अहम है, क्योंकि उनकी ऊर्जा आयात का बड़ा हिस्सा इसी संकरे समुद्री रास्ते से होकर आता है। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने पिछले महीने छोटी नौकाओं का इस्तेमाल कर इन समुद्री बारूदी सुरंगों को बिछाया था। यह कदम तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका और इस्राइल द्वारा किए गए संयुक्त हवाई हमलों के तुरंत बाद उठाया गया था।

बारूदी सुरंग बिछाने का व्यवस्थित रिकॉर्ड नहीं :अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि समुद्र में बारूदी सुरंब बिछाने का व्यवस्थित तरीके से रिकॉर्ड नहीं रखा गया। कुछ उपकरण ऐसे तरीके से लगाए गए थे कि वे समुद्र में बहते रहे, जिससे उनका पता लगाना और उन्हें हटाना और भी मुश्किल हो गया है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने चेतावनी जारी की है कि इस जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाज समुद्री बारूदी सुरंगों से टकरा सकते हैं।चिंताओं को और बढ़ाते हुए इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने सार्वजनिक परामर्श जारी कर जहाजों को संभावित खतरे के प्रति आगाह किया है। आईआरजीसी ने कहा, होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले सभी जहाज समुद्री सुरक्षा के नियमों का पालन करें और बारूदी सुरंगों से बचने के लिए वैकल्पिक समुद्री मार्गों का इस्तेमाल करें।

चीन ईरान को हथियार भेजने की कर रहा तैयारी :चीन अगले कुछ हफ्तों में ईरान को नई वायु रक्षा प्रणालियां देने की तैयारी कर रहा है। सीएनएन ने अमेरिकी खुफिया विभाग के हालिया आकलन से वाकिफ तीन लोगों के हवाले से शुक्रवार को यह जानकारी दी। जब इसे लेकर राष्ट्रपति ट्रंप से सवाल किया गया तो उन्होंने चीन को धमकी देते हुए कहा कि अगर चीन ऐसा करने जा रहा है तो उसकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

ईरानी अधिकारियों से जुड़े लोगों पर अमेरिका की कार्रवाई, कई ग्रीन कार्ड किए रद्द :डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका में लंबे समय से रह रहे ईरानी मूल के कुछ लोगों के ग्रीन कार्ड रद्द कर दिए हैं। ये लोग मौजूदा या पूर्व ईरानी वरिष्ठ अधिकारियों से जुड़े बताए गए हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने शनिवार को बताया कि लॉस एंजिलिस क्षेत्र के मनोविज्ञान शिक्षक सैयद ईसा हाशेमी, उनकी पत्नी और बेटे के खिलाफ कार्रवाई की गई है। तीनों ईरान में जन्मे हैं और अमेरिका में स्थायी निवास का दर्जा रखते थे। विभाग के अनुसार इन लोगों को आव्रजन अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया है और उन्हें देश से निष्कासित किया जाएगा। विदेश विभाग ने बताया कि सैयद ईसा हाशेमी, मासूमेह एब्तेकार के बेटे हैं।

अमेरिका बन रहा बड़ा आपूर्तिकर्ता :ट्रंप ने कहा कि बड़ी संख्या में तेल के बड़े-बड़े खाली टैंकर अमेरिका की तरफ आ रहे हैं। इनमें कुछ तो दुनिया के सबसे विशाल टैंकर माने जाते हैं। यह बताता है कि अमेरिका बड़ा आपूर्तिकर्ता बन रहा है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में इन टैंकरों के आने का मकसद बताते हुए कहा है कि ये अमेरिका से दुनिया का सबसे बेहतरीन तेल और गैस खरीदने आ रहे हैं, जो कि बेहद अच्छी डील में मिल रहा है। अमेरिका के पास दुनिया की दूसरी और तीसरी सबसे बड़ी तेल अर्थव्यवस्थाओं के संयुक्त भंडार से भी अधिक और उच्च गुणवत्ता वाला तेल मौजूद है।

अंबेडकर जयंती पर सीधी में अंत्योदय शिविर: सफाई मित्रों को सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का मिला लाभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अंबेडकर जयंती के अवसर पर सीधी जिला प्रशासन द्वारा एक संवेदनशील और सराहनीय पहल करते हुए जिलेभर में अंत्योदय शिविरों का आयोजन किया गया। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन में आयोजित इन शिविरों का उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना रहा। इसी क्रम में नगर पालिका सीधी में श्रम विभाग द्वारा विशेष शिविर आयोजित किया गया जिसमें सफाई मित्रों के पंजीयन पर विशेष ध्यान दिया गया यह पंजीयन प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के अंतर्गत किया गया, जिसके तहत असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को 60 वर्ष की आयु के बाद मासिक पेंशन की सुविधा प्रदान की जाती है। शिविर में बड़ी संख्या में सफाई कर्मियों और श्रमिकों ने भाग लेकर योजनाओं का लाभ उठाया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग और आयुष विभाग के संयुक्त प्रयास से सफाई मित्रों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। उन्हें आवश्यक जांच परामर्श और उपचार की सुविधाएं मौके पर ही उपलब्ध कराई गईं। यह पहल प्रशासन की संवेदनशीलता को दर्शाती है जो न केवल सामाजिक सुरक्षा बल्कि श्रमिकों के स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता दे रही है। श्रम विभाग द्वारा शिविर के दौरान विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी गई। मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना के अंतर्गत प्रसूति सहायता, दुर्घटना सहायता, अनुग्रह सहायता और अंत्येष्टि सहायता जैसी योजनाओं के बारे में श्रमिकों को जागरूक किया गया इसके अलावा निर्माण श्रमिक पंजीयन, श्रमिक कार्ड, बच्चों की शिक्षा सहायता, विवाह सहायता और औजार अनुदान जैसी सुविधाओं पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। श्रमिकों को ई-श्रम पोर्टल पर पंजीयन कराने के लिए प्रेरित किया गया ताकि वे केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ सरलता से प्राप्त कर सकें सहायक श्रम पदाधिकारी आकांक्षा पाठक ने बताया कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से सीधे जोड़ना है। इस प्रकार के शिविरों के माध्यम से मौके पर ही पंजीयन, जानकारी और सेवाएं प्रदान की जा रही हैं, जिससे समावेशी विकास को बढ़ावा मिल रहा है। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष काजल वर्मा, सीएमओ प्रिया पाठक सहित अन्य जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जयंत रोडरेज में घायल युवक की इलाज दौरान मौत :कार से कुचलने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के जयंत चौकी क्षेत्र में हुए रोडरेज मामले ने अब गंभीर मोड़ ले लिया है। इस घटना में गंभीर रूप से घायल युवक गौरव सिंह की लखनऊ में इलाज के दौरान मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार यह घटना 4 अप्रैल की रात जयंत क्षेत्र स्थित वीवीसी ऑफिस के पास हुई थी। ओवरटेक को लेकर शुरू हुए विवाद में फरियादी नितेश अग्रहरी और उसके साथियों का दूसरे पक्ष से कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने गाली-गलौज और मारपीट की। इसके बाद उन्होंने जान से मारने की नीयत से गौरव सिंह के ऊपर कार चढ़ा दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। गंभीर हालत में घायल गौरव सिंह को पहले एनसीएल नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बेहतर इलाज के लिए उसे रेफर किया गया लेकिन लखनऊ में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद जयंत पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 12 घंटे के भीतर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था पुलिस ने घटना में प्रयुक्त स्कॉर्पियो वाहन भी जब्त कर लिया है। युवक की मौत के बाद अब मामले में और गंभीर धाराएं जोड़े जाने की संभावना है विंध्य नगर थाना प्रभारी अर्चना द्विवेदी ने बताया कि घायल युवक की मौत की सूचना मिली है मामले में विधिक रूप से आगे की कार्रवाई की जा रही है।

आदिवासी छात्रा को फंसाकर दुष्कर्म: वीडियो बनाकर सगाई तुड़वाने की कोशिश

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। सीधी थाना क्षेत्र आदिवासी छात्रा से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बस क्लीनर ने छात्रा के अश्लील वीडियो भी बना लिए। इसके बाद दो साल तक शोषण करता रहा यही नहीं आरोपी ने छात्रा के वीडियो भेजकर शादी भी तुड़वाने की कोशिश की। छात्रा ने थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया। जानकारी के अनुसार सीधी थाना क्षेत्र की रहने वाली छात्रा शहडोल के जयसिंहनगर स्थित कॉलेज में पढ़ती है। वह हरिओम ट्रेवल्स की बस में रोजाना सीधी से जयसिंहनगर आना-जाना करती थी। इसी दौरान उसकी पहचान बस के क्लीनर राजेश यादव से हो गई। वह रोजाना उसे सीट देने लगा बातचीत बढ़ाते हुए मोबाइल नंबर ले लिया लगातार संपर्क में रहने के दौरान छात्रा को अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। छात्रा ने पुलिस को बताया कि पढ़ाई के लिए वह जयसिंहनगर में किराए से रहने लगी। इस दौरान क्लीनर से नजदीकियां बढ़ गईं वह अक्सर उसके कमरे पर आने-जाने लगा। आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया अश्लील फोटो व वीडियो भी बना लिए यह सिलसिला करीब दो साल तक चलता रहा जब मामले की जानकारी छात्रा के परिजनों को हुई तो वे उसे घर ले आए और उसकी शादी तय कर दी।

शादी तुड़वाने की भी कोशिश की: जैसे ही यह बात आरोपी को पता चली उसने छात्रा के अश्लील फोटो और वीडियो उसके होने वाले ससुराल पक्ष को भेज दिए। इससे रिश्ता टूटने की नौबत आ गई। यहीनहीं आरोपी ने दूल्हे को जान से मारने की धमकी भी दी शिकायत के बाद पुलिस ने योजना के तहत छात्रा के जरिए आरोपी को मिलने बुलवाया जैसे ही आरोपी राजेश बोलेरो से मौके पर पहुंचा। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

अवैध रेत परिवहन के दो ट्रैक्टर जब्त, मयार नदी से रेत लाकर बेचने की फिराक मे थे आरोपी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में अवैध रेत परिवहन के खिलाफ सासन चौकी पुलिस ने कार्रवाई की है पुलिस ने दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए हैं दरअसल पुलिस को मयार नदी से रेत लाकर बेचने की सूचना पुलिस को मिली थी। पुलिस को जानकारी मिली थी कि बिना नंबर के सोनालिका और स्वराज कंपनी के ट्रैक्टर रेत लोड कर ग्राम काम की ओर जा रहे हैं। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक संदीप नामदेव के नेतृत्व में टीम ने घेराबंदी की पुलिस को देखते ही दोनों ट्रैक्टरों के चालक वाहन छोड़कर मौके से भाग निकले। इसके बाद पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली की जांच की जिसमें लोड रेत अवैध पाई गई। पुलिस ने सोनालिका DI 34 ट्रैक्टर-ट्रॉली (कीमत करीब 6.05 लाख रुपए) और स्वराज 733 FE ट्रैक्टर-ट्रॉली (कीमत करीब 5.05 लाख रुपए) को जब्त कर लिया आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। चौकी प्रभारी संदीप नामदेव ने बताया कि अवैध रेत परिवहन के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियों को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बहरी तहसील में भृत्य पर रिश्वतखोरी का आरोप: दो हजार नहीं देने पर रोकी फाइल; कलेक्टर ने दिए जांच के निर्देश दिए

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले की बहरी तहसील में पदस्थ एक भृत्य पर रिश्वतखोरी के गंभीर आरोप लगे हैं। मझरेती खुर्द निवासी आशीष कुमार मिश्रा ने कलेक्टर विकास मिश्रा से शिकायत की है कि फाइल क्लियर करने के नाम पर उनसे 7000 रुपए की मांग की गई कलेक्टर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के निर्देश दिए हैं। शिकायतकर्ता आशीष मिश्रा ने आरोप लगाया है कि लोकेश वास, जो वर्ष 2016 में भृत्य (चतुर्थ श्रेणी) पद पर नियुक्त हुए थे, वर्तमान में लिपिक का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बहरी तहसील में वर्ष 2018 से बाबू और लिपिक के पद रिक्त पड़े हैं जिसका फायदा उठाकर वास काश्तकारों से मनमाने तरीके से पैसे वसूल रहे हैं। आशीष मिश्रा के अनुसार उनके पिता और उनके नाम से संबंधित एक फाइल तहसील में लंबित थी। इसे क्लियर करने के लिए उनसे 7000 रुपए की मांग की गई। जब उन्होंने पैसे देने से इनकार किया तो उनकी फाइल को जानबूझकर लंबे समय तक रोका गया और उन्हें परेशान किया गया। मिश्रा ने बताया कि अंतत: उन्होंने मजबूरी में फोन के माध्यम से 5000 रुपए दिए, लेकिन इसके बावजूद उनका काम नहीं हुआ उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शेष 2000 रुपए न देने पर लोकेश वास ने बार-बार कहा कि 5000 रुपए तहसीलदार को देने पड़ते हैं और 2000 रुपए वह स्वयं लेते हैं पैसे न देने की स्थिति में काम न करने की धमकी दी गई और उनकी फाइल को आगे बढ़ाने के बजाय रोक दिया गया जबकि उसी दिन उसका निराकरण संभव था। शिकायत सामने आने के बाद यह मामला गरमा गया है आरोपों पर सफाई देते हुए लोकेश वास ने कहा कि वह भृत्य पद पर हैं लेकिन कंप्यूटर ज्ञान होने के कारण उनसे लिपिकीय कार्य लिया जाता है। उन्होंने किसी भी प्रकार की अवैध वसूली से इनकार करते हुए कहा कि वे शासन के नियमों के अनुसार ही कार्य करते हैं।

रीवा में उपभोक्ता संरक्षण प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष व शहर अध्यक्ष नियुक्त

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर उपभोक्ता संरक्षण प्रकोष्ठ में नई नियुक्तियां की गईं इस क्रम में प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष हरिशंकर शुक्ला द्वारा अशोक सोनी को जिलाध्यक्ष एवं रेशमा खातून को शहर अध्यक्ष, उपभोक्ता संरक्षण प्रकोष्ठ जिला रीवा का मनोनयन पत्र सौंपा गया। कार्यक्रम के दौरान नवनियुक्त पदाधिकारियों को संगठन की जिम्मेदारियों और दायित्वों से अवगत कराया गया साथ ही उनसे उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा और जनहित से जुड़े मुद्दों पर सक्रियता से कार्य करने की अपेक्षा जताई गई। इस अवसर पर कांग्रेस के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इनमें पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष लखन लाल खंडेलवाल, प्रदेश महासचिव श्रीराम शर्मा एवं साक्षी विश्वकर्मा प्रमुख रूप से शामिल रहे। पदाधिकारियों ने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

कलेक्टर ने सिविल अस्पताल का निरीक्षण किया: काम समय से करने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर विकास मिश्रा ने रामपुर नैकिन स्थित निर्माणाधीन सिविल अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण रविवार सुबह किया गया निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सीधे निर्माण स्थल का दौरा किया और अस्पताल के नक्शे का अवलोकन किया उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि भवन का निर्माण स्वीकृत नक्शे और निर्धारित मानकों के अनुसार ही होना चाहिए। किसी भी प्रकार की लापरवाही या मानकों से समझौता स्वीकार्य नहीं होगा। कलेक्टर ने निर्माण में उपयोग की जा रही सामग्री जैसे गिट्टी, सीमेंट और रेत की गुणवत्ता की भी जांच की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी सामग्री तय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप ही उपयोग में लाई जाए उन्होंने कहा कि अस्पताल निर्माण में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने पीआईयू के कार्यपालन यंत्री कौशल परते को विशेष रूप से निर्देशित किया। कलेक्टर ने कहा कि निर्माण कार्य को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा किया जाए और कार्य की गति में तेजी लाई जाए। गुणवत्ता का भी विशेष ध्यान रखा जाए ताकि भविष्य में कोई समस्या न हो। कार्यपालन यंत्री कौशल परते ने बताया कि कलेक्टर के निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा उन्होंने यह भी कहा कि अधीनस्थ कर्मचारियों को निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

आशा भोंसले के निधन पर उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने जताया गहरा शोक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रसिद्ध गायिका आशा भोंसले के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है उन्होंने इसे भारतीय संगीत जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने अपने शोक संदेश में कहा कि आशा भोंसले जी का निधन अत्यंत पीड़ादायक समाचार है जिसने पूरे देश को शोकाकुल कर दिया है। उन्होंने कहा कि आशा भोंसले केवल एक महान गायिका ही नहीं थीं बल्कि वे भारतीय संगीत की ऐसी स्वर साधिका थीं जिनकी आवाज ने दशकों तक लोगों के दिलों पर राज किया। उन्होंने आगे कहा कि उनकी अद्वितीय भावपूर्ण अभिव्यक्ति और बहुमुखी प्रतिभा ने भारतीय संगीत को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके गीतों में भावनाओं की गहराई और सुरों की मिठास ऐसी थी जिसने हर पीढ़ी को प्रभावित किया आज भी उनके गाए गीत श्रोताओं के मन में जीवंत हैं और आने वाले समय में भी प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे। शुक्ल ने कहा कि आशा भोंसले का जाना केवल एक कलाकार का निधन नहीं है बल्कि यह एक युग का अंत है उन्होंने भारतीय फिल्म और संगीत जगत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा।

सीधी में स्टाम्प विक्रेताओं की बैठक: कलेक्टर ने राजस्व वृद्धि और पारदर्शिता पर दिया जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा की अध्यक्षता में जिले के समस्त स्टाम्प विक्रेता एवं सेवा प्रदाताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई बैठक में चालू वित्तीय वर्ष के राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति पर चर्चा करते हुए कलेक्टर ने सभी स्टाम्प विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं को उनके योगदान के लिए बधाई दी कलेक्टर ने कहा कि सेवा प्रदाताओं के सहयोग से जिले में स्टाम्प ड्यूटी एवं पंजीयन से प्राप्त राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है उन्होंने पिछले वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सेवा प्रदाताओं को प्रोत्साहित करते हुए आगे भी इसी तरह पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की अपेक्षा जताई बैठक में राजस्व बढ़ाने के साथ-साथ कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी प्रक्रियाएं नियमों के अनुरूप हों और आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) गोपदबनास राकेश शुक्ला, जिला पंजीयक अभिषेक सिंह, उप पंजीयक सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में प्रशासन और सेवा प्रदाताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर राजस्व वृद्धि को और सुदृढ़ करने पर सहमति बनी।

रामपुर नैकिन दौरे पर कलेक्टर

चौपालों में सुनीं जनसमस्याएं, अधिकारियों को संवेदनशीलता के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने 10 एवं 11 अप्रैल को रामपुर नैकिन क्षेत्र का व्यापक दौरा कर विकास कार्यों और जनसमस्याओं की जमीनी समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न निर्माणाधीन परियोजनाओं, शासकीय संस्थानों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए कलेक्टर ने सांदीपनि विद्यालय के निर्माणाधीन भवन एवं सिविल अस्पताल के कार्यों का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण किया जाए तहसील कार्यालय रामपुर नैकिन में निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने आम नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गउन्होंने अधिकारियों से कहा कि आमजन की समस्याओं के समाधान में संवेदनशीलता और तत्परता आवश्यक है। ग्राम पंचायत रघुनाथपुर में आयोजित रात्रिकालीन चौपाल में 89 आवेदनों तथा ग्राम पंचायत चोरगड़ी में आयोजित चौपाल में लगभग 72 आवेदनों पर देर रात तक सुनवाई की गई। कलेक्टर ने इन सभी आवेदनों के समयबद्ध निराकरण के निर्देश साथ ही ग्रामीणों को डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर आयोजित ग्राम सभाओं में भाग लेने, बालिकाओं के एचपीवी टीकाकरण, किसानों को पशुपालन एवं मत्स्य पालन अपनाने तथा नशामुक्ति के लिए प्रेरित किया 11 अप्रैल को ग्राम पंचायत भरतपुर में स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित हथकरघा इकाई का निरीक्षण करते हुए उत्पादों की गुणवत्ता और विपणन में सुधार के सुझाव दिए गए ग्राम पंचायत चंदरेह में प्राचीन शिव मंदिर का भ्रमण कर क्षेत्रीय सांस्कृतिक विरासत का अवलोकन किया गया। साथ ही चंदरेह में निर्मित स्टेडियम के बेहतर उपयोग हेतु 'सीधी प्रीमियम लीग' आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास एवं शौचालयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए ग्राम पंचायत गुजरेड़ में पंचायत भवन, उचित मूल्य दुकान और तालाब का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए ग्राम पंचायत पोस्ता में आयोजित 'हेल्थ प्लस' इंटीग्रेटेड हेल्थ कैम्प का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने स्वास्थ्य सेवाओं की विस्तृत समीक्षा की शिविर में 181 आवेदनों की सुनवाई के साथ 923 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें ओपीडी, शुगर, बीपी, एक्स-रे, टीबी, सिकल सेल एवं एचपीवी टीकाकरण जैसी सेवाएं प्रदान की गईं। अंत में कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध रूप से पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि सभी आवेदनों का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करते हुए मैदानी स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग की जाए और आमजन की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता बनाए रखी जाए।

जो बच्चे भविष्य थे, वही खतरे में: बाल तस्करी के जाल पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती, राज्यों की ढिलाई उजागर

संपादकीय

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि जिन नौनिहालों को हम देश का भविष्य मानते हैं, उनमें से बहुत सारे बच्चे आज बहुस्तरीय जोखिम के बीच से गुजर रहे हैं। बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों के अनेक रूप के अलावा बाल तस्करी का संजाल आज इस कदर जटिल होता जा रहा है कि इससे निपटना सरकारों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। हालांकि इस अपराध को काबू में करना और बच्चों को इस खतरे से बचाना सरकार की अनिवार्य जिम्मेदारी और सबसे ऊपर की प्राथमिकता में दर्ज होना चाहिए। मगर हालत यह है कि देश के सुप्रीम कोर्ट को इस बारे में केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश देना पड़ रहा है कि वे बच्चों के खिलाफ इस अपराध को गंभीरता से लें। गौरतलब है कि बुधवार को एक याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने देश में बाल तस्करी के बढ़ते मामलों पर गहरी चिंता जताई और कहा कि संगठित गिरोह देशभर में सक्रिय हैं और अगर राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों ने तुरंत प्रभावी कदम नहीं उठाए, तो स्थिति बेकाबू हो सकती है।

हैरानी की बात यह है कि बाल तस्करी के फैलते जाल पर शीर्ष अदालत के सख्त रुख के बावजूद कई राज्यों ने अब तक न जरूरी रपट तैयार की है और न ही समितियां बनाई हैं। समस्या की गंभीरता को देखते हुए स्वाभाविक ही सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों के लापरवाह रवैये पर नाराजगी जताई। दरअसल, करीब एक वर्ष पहले अदालत ने अपने एक फैसले में संगठित तस्करी के जाल को तोड़ने के लिए कई संस्थागत सुधारों के निर्देश दिए थे। इनमें तस्करी के मामलों में छह महीने के भीतर हर रोज सुनवाई करना, मानव तस्करी रोधी इकाइयों को मजबूत करना और जांच प्रक्रिया में सुधार करना शामिल था।

अदालत ने राज्यों को यह निर्देश दिया था कि वे तस्करी के संभावित संवेदनशील स्थानों की पहचान और निगरानी के लिए राज्यस्तरीय समितियां बनाएं और लापता बच्चों के मामलों को तस्करी मान कर जांच शुरू करें। मगर इस मुद्दे पर राज्य सरकारों के रुख का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि कई राज्यों ने अभी तक तय प्रारूप में रपट तक दाखिल नहीं की है। सरकारी तंत्र में इस इच्छाशक्ति के अभाव और उदासीनता की वजह क्या यह है कि जो बच्चे तस्करी का शिकार हो जाते हैं, उनमें ज्यादातर समाज के गरीब और कमजोर तबके से आते हैं?

यह कोई छिपा तथ्य नहीं है कि देश में बाल तस्करी का संकट पिछले कुछ वर्षों के दौरान कितना गहरा गया है। खासतौर पर कोविड महामारी के बाद बच्चों के लापता होने के मामलों में काफी तेजी दर्ज की गई। बच्चों के खिलाफ अपराध के मामले में उत्तर प्रदेश की स्थिति ज्यादा गंभीर है। सही है कि लापता होने वाले तमाम बच्चों में से कइयों को पुलिस खोज लेती है, लेकिन उनमें से बहुतों की कोई खबर नहीं मिलती।

एक और कठिन लड़ाई का सामना करेंगे राष्ट्रपति ट्रंप

प्रो. प्रदीप माथुर

पाकिस्तान की मध्यस्थता से हुआ संघर्षविराम युद्धग्रस्त खाड़ी क्षेत्र में शत्रुता के अंत का कारण बना है और इससे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी कुछ राहत मिली है, जो अपनी तीखी बयानबाज़ी और जमीनी हकीकत के बीच फँस गए थे। हालांकि, ट्रंप अब एक और विवादास्पद संघर्ष में उलझ गए हैं, जिसके परिणाम उनके लिए समान रूप से, बल्कि उससे भी अधिक, गंभीर साबित हो सकते हैं।

यह नया संघर्ष प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर है–एक ऐसा क्षेत्र जहां अमेरिका में फस्ट अमेंडमेंट के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुनिश्चित है और पत्रकारों को विशेष सुरक्षा प्राप्त है।

एक मामला पहले से ही अदालत में है, जिसमें ट्रंप प्रशासन ने द वा?शिंगटन पोस्ट की एक पत्रकार के खिलाफ आक्रामक कदम उठाने की कोशिश की थी। इसी बीच इस सप्ताह व्हाइट हाउस और मीडिया के बीच तनाव और बढ़ गया, जब ट्रंप ने ईरान में एक उच्च जोखिम वाले सैन्य बचाव अभियान से जुड़ी कथित जानकारी के लीक होने पर एक पत्रकार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की धमकी दी। इसके परिणामस्वरूप अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़े संगठन और पत्रकार समूह ट्रंप प्रशासन के खिलाफ अदालत का दरवाज़ा खटखटा रहे हैं। अमेरिका में ये संगठन काफी प्रभावशाली हैं और इन्हें सरकारी दबाव या धनबल से आसानी से नहीं दबाया जा सकता।

6 अप्रैल को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन उस लीक के स्रोत की सक्रिय जांच कर रहा है, जिसमें 3 अप्रैल को ईरान के ऊपर एक एफ-15 स्ट्राइक ईगल के मार गिराए जाने के बाद लापता हुए दूसरे अमेरिकी एयरमैन की जानकारी शामिल थी। उन्होंने चेतावनी दी कि संबंधित मीडिया संस्थान को राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर अपने स्रोत का खुलासा करने के लिए बाध्य किया जा सकता है।

ट्रंप के अनुसार, इस लीक ने बचाव अभियान को गंभीर खतरे में डाल दिया, क्योंकि इससे ईरानी अधिकारियों को जीवित बचे पायलट की मौजूदगी का पता चल गया। उन्होंने कहा कि जैसे ही यह जानकारी सार्वजनिक हुई, 'पूरा ईरान जान गया,' जिससे अभियान जटिल हो गया और जोखिम बढ़ गया।

इन चुनौतियों के बावजूद, अमेरिकी बलों ने अलग-अलग अभियानों में दोनों एयरमैन को सफलतापूर्वक बचा लिया। ट्रंप ने इस मिशन को अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि दुश्मन क्षेत्र के भीतर से दोनों पायलटों को बिना पूर्व सार्वजनिक पुष्टि के सुरक्षित निकाला गया, ताकि अभियान को खतरे में न डाला जाए।

हालांकि, राष्ट्रपति की इन टिप्पणियों ने प्रेस स्वतंत्रता के समर्थकों के बीच चिंता बढ़ा दी है। सेठ स्टर्न ने इसका विरोध करते हुए कहा कि लीक जानकारी प्रकाशित करना फस्ट अमेंडमेंट के तहत संरक्षित है। उनके अनुसार संवेदनशील सूचनाओं की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है, न कि मीडिया की।

यह प्रकरण अमेरिकी लोकतंत्र के एक पुराने द्वंद्व को उजागर करता है–राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रेस की स्वतंत्रता के बीच संतुलन। इतिहास में सरकारें आमतौर पर लीक करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करती रही हैं, लेकिन पत्रकारों को सीधे निशाना बनाना अधिक विवादास्पद कदम माना जाता है।

इस बीच, एक अन्य मामले में अमेरिकी संघीय मजिस्ट्रेट न्यायाधीश विलियम बी. पोर्टर ने न्याय विभाग को हन्ना नैटनसन के जब्त किए गए इलेक्ट्रॉनिक डेटा की जांच करने से रोक दिया है। यह मामला प्रेस स्वतंत्रता और सरकारी अतिक्रमण के बीच चल रही कानूनी लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मोड़ है।

यह निर्णय 14 जनवरी 2026 को फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन द्वारा नैटैनसन के घर पर की गई तलाशी के बाद आया, जिसमें छह इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए थे। हालांकि, स्पष्ट किया गया कि नैटैनसन स्वयं जांच का लक्ष्य नहीं हैं।

24 फरवरी के आदेश में न्यायाधीश पोर्टर ने कहा कि जब्त सामग्री की समीक्षा न्यायालय करेगा, न कि न्याय विभाग। उन्होंने सरकार की दलील की तीखी आलोचना करते हुए इसे 'मुर्गीखाने की रखवाली लोमड़ी को सौंपने' जैसा बताया और न्यायिक निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया।

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता रहा बेनतीजा

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता कराने की कोशिशों के बीच अमेरिका और ईरान ने इस्लामाबाद में बातचीत की। अमेरिकी का प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने की , जबकि ईरानी वार्ताकारों की अगुवाई अगुआई ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं। दल में विदेश मंत्री अब्बास अराघची, भी हैं लेकिन यह वार्ता में सफलता मिलने की संभावना बहुत ही कम दिखाई दे रही है आज सारी दुनिया को मालूम है पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है आज कल सारे न्यूज़ चैनल में अमेरिका ईरान युद्ध के 11अप्रैल 26 के शान्ति वार्ता पर ध्यान केंद्रीत है जो पाकिस्तान फुले नहीं समा रहा है और ऐ दिखाने की कोशिश की गई है कि पाकिस्तान शान्ति का मैसेंजर है लेकिन हकीकत उल्टी है दरअसल पाकिस्तान हाल ही में अफगानिस्तान में हवाई हमले कर 400 से अधिक निर्दोष नागरिकों को मौत की नींद सुला दिया और इजराइल पर आरोप लगाना तर्क संगत है ।

संजय गोस्वामी

लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर बुधवार को हुए इजरायली हमले में अब तक कम से कम 254 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 1100 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।जो मानता हूँ ठीक नहीं है लेकिन जब आंतकवादी को पनाह देने वाले और आतंकवादी गतिविधियों में हजारों की संख्या में खुद ही निर्दोष लोग जिसमें भारत भी है को धर्म के आधार पर मारते हैं तो क्या ऐ सही है यदि धर्म का आधार ही है तो अफगानिस्तान में क्यों निर्दोष लोगों को मारा गया ऐ सिर्फ और सिर्फ अपनी डफली अपना राग और अपने आतंकी छवि को एक सफेद झूठ की चादर से ढक रहें है पाकिस्तान और ईरान का सीमा विवाद क़ोई नया नहीं है 2 वर्ष पूर्व याद कीजियेगा 17 जनवरी 2024 को मंगलवार रात पाकिस्तान पर हुए ईरानी मिसाइल हमले में दो बच्चों की मौत और तीन अन्य के घायल होने के बाद पाकिस्तान और ईरान के राजनयिक संबंधों में दरार है। उस समय पाकिस्तान ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए तेहरान से अपने राजदूत को वापस बुला लिया था और इस्लामाबाद में मौजूद ईरान के दूत के पाकिस्तान लौटने पर रोक लगा दी। उस समय इस्लामाबाद ने ईरान पर पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने का आरोपलगाया, जबकि ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा कि मिसाइलों ने जैश अल-अदल नामक सशस्त्र समूह के दो ठिकानों को निशाना बनाया था।उस समय एक बयान में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा गया था , यह गैर-कानूनी हरकत पूरी तरह से अस्वीकार्य है और इसका कोई भी औचित्य नहीं है। इसमें चेतावनी दी गई, पाकिस्तान इस गैर-कानूनी हरकत का जवाब देने का अधिकार सुरक्षित रखता है। इसके परिणामों की पूरी ज़िम्मेदारी ईरान की होगी।अमेरिका भी कैसे पाकिस्तान के चंगुल में फंस गया ऐ भी उसकी वर्ड पावर की छवि को बहुत ही निचे बातचीत के टेबल तक ले गया ऐ उसके इतिहास में कभी नहीं हुआ की पाकिस्तान जैसे देश में जाकर शांति वार्ता के लिए मज़बूरी वश जाना पड़ा क्योंकि पहले जितने भी राष्ट्रपति हुए वो या तो वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर, हमले का बदला या ईरान पर हमला कर कभी पीछे नहीं मुड़ा जहाँ तक ईरान में युद्ध की बात है नाटो का कहना ऐ उसका निजी मामला है हमसे पूछ कर नहीं किया गया तो ईराक में जब सद्दाम हुसैन पर हमला किया गया तो किससे पूछ कर किया फिर भी वहाँ भी अमेरिका को क्या खतरा था ईरान से तो समझ में आता है कि अमेरिका को बाद में खतरा हो सकता था क्योंकि उसकी मिशायल की मारक क्षमता बाद में अमेरिका तक मार करने की क्षमता हासिल कर सकता था और जो अभी खाड़ी देशों में अमेरिका के बेस पर जिसतरह हमला हुआ वैसा पहले कभी नहीं हुआ ऐ अमेरिका को गहरा चोट पहुँचाया है और इसमें कहीं ना कहीं पाकिस्तान की भी मिली भगत हैं क्योंकि उसी के बॉडर से होकर ही हथियार गया है जो अमेरिका के लाख बम्रबारी के बाद भी 100 वीं लहर तक कैसे गया इसलिए की इसमें चीन और रूस के साथ पाकिस्तान का भी हाथ होगा हथियार पहुंचाने में, जो खबर निकल कर सामने आई है इसलिए पाकिस्तान शान्ति वार्ता क्या कराएगा जो खुद ही आतंकवादी के सहारे दहशतगर्द को पनपा रहा है और भारत में मासूमों की हत्या करवाता है 26/11/08 को मुंबई में पाकिस्तान के आईएसआई ने ऐसी कत्लेआम का अंजाम दिया जिसमें सैकड़ो मासूमों की जान चंद आतंकवादी ने कत्लेआम किया वो भी धर्म के नाम पर, और हाल ही में पहलगांव में दर्जनों भारतीय पर्यटक की हत्या धर्म के नाम पर की, अतः एक कहावत है जो संत कबीर ने लिखी है :-बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय, जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय,संत कबीरदास जी का यह प्रसिद्ध दोहा आत्म-निरीक्षण (ह्यद्द्यद्ध-ह्दद्धद्यद्गष्ह्लद्धश्ठ्ठ) का संदेश देता है, जो सिखाता है कि दूसरों में दोष ढूंढने से पहले अपने भीतर झांकना चाहिए। भारत अगर ऑपरेशन सिंदूर कर पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमला नहीं करता तो कट्टरवादी आतंकी फिर क़ोई नया खेल करते और भारतीय मासूमों की जान जाती किसी भी धर्म में मानवता को ही सर्वोपरि माना गया है लेकिन धर्म की आड़ लेकर लोग इसका फायदा आतंक को पनपाने में करता है जो विश्व के लिए खतरा है अब ईरान भी उसी रास्ते पर चल पड़ा है क्योंकि जिस तरह खाड़ी देशों में उसके हमले में कई निर्दोष नागरिकों की मौत हुई है और जिस तरह हार्मोस को पूरी तरह बंद करके दूसरे देश के लिए क्यों बन्द किया जिसका इस युद्ध से क़ोई लेना देना नहीं है और उसने इसे सबसे बड़े हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया। तेहरान ने छोटी नावों का इस्तेमाल करके हार्मोज में माइंस बिछा दी जिससे क़ोई भी जहाज इसका शिकार हो सकता है जिससे इस युद्ध में क़ोई लेना देना नहीं है कई जहाजो को वहाँ से गुजरने पर उड़ा भी दिया गया ऐ सब विश्व शांति के लिए खतरा है, और आतंकवादी देश आतंकी देश ही आपस में तालमेल बिठा लेते हैं और आतंकी को पनपाने में अमेरिका का ही हाथ रहा है क्योंकि यह बात खुद ट्रम्प ने ही पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को ईरान में परमाणु समझौता किया जिससे वो आज परमाणु बम बनाने के तरफ कदम रखा, हुती हिजबुल्ला, हमास, मलेशिया ग्रुप ईरान के प्रॉक्सी ग्रुप हैं जो न सिर्फ इजराइल में बल्कि मिडिल ईस्ट में आतंकवादी गतिविधियों का अंजाम देते हैं ट्रम्प की हताशा यहाँ तक हो गई थी की सभ्यता नष्ट की बात करते हैं और फिर शान्ति के मसीहा बन जाते हैं और ईरान में अपने पैर पसारने और सजाने संवारने की बात करते हैं वहीँ ईरान में कहाँ परिवर्तन हुआ आज भी खामनोई का फोटो और झंडा लहराते हुए लोग जश्न मानते नजर आ रहें हैं युद्ध विराम किया अच्छी बात है लेकिन पहले डराने धमकाने और ख़त्म करने का धमकी देने की जरुरत क्या थी ईरान ने अमेरिका को आर्थिक और सामरिक दृष्टिकोण से अपने मिशायल से काफी नुकसान पहुँचाया है और खाड़ी देश से अमेरिका के बेस को इस तरह बर्बाद किया है कि उन देशों पर अमेरिका का भरोसा उठ गया है और ऐ युद्ध इजराइल के लिए ख़त्म नहीं हुआ है आज भी बेरूत में हिजबुल्ला पर अटैक कर ही रहा है। इसलिए ऐ सीजफायर ज्यादा दिन टिकने वाला नहीं है पाकिस्तान के इस्लामाबाद में शांति वार्ता मात्र एक दिखावा है क्योंकि ईरान का भरोसा खाड़ी में अपने परोसी देशों पर हमला करना और इजराइल ने साफ कहा है कि शांति वार्ता में ऐ युद्ध शामिल नहीं है और इजराइल का समर्थन ट्रम्प ने किया है तभी युद्ध हुआ और अब अमेरिका कुछ दिन युद्ध विराम कर इससे सबक लेते हुए आगे की सैन्य अभियान को द्रुस्त करने की है क्योंकि इसमें कई पेंच है जो इजराइल के पास येरुशेलम को लेकर एक धार्मिक स्थल है जो 2017 में डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बयान में साझा किया था कि यरूशलम न केवल तीन महान धर्मों का केंद्र है, बल्कि अब यह दुनिया के सबसे सफल लोकतंत्रों में से एक का भी केंद्र है। पिछले सात दशकों में, इज़राइल के लोगों ने एक ऐसा देश बनाया है जहाँ यहूदी, मुसलमान, ईसाई और सभी धर्मों के लोग अपनी अंतरात्मा और अपनी मान्यताओं के अनुसार रहने और पूजा-अर्चना करने के लिए स्वतंत्र हैं। यरूशलम आज भी एक ऐसा स्थान है–और हमेशा ऐसा ही रहना चाहिए–जहाँ यहूदी वेस्टर्न वॉल पर प्रार्थना करते हैं, जहाँ ईसाई स्टेशन्स ऑफ़ द क्रॉस पर चलते हैं, और जहाँ मुसलमान अल-अक्सा मस्जिद में इबादत करते हैं।जहाँ अमेरिका के रक्षा मंत्री हेगसेथ का कहना है कि यरूशलम का इतिहास क्रूसेड्स–मध्ययुग के उन क्रूर युद्धों–का बचाव करने का रहा है, जिनमें ईसाई और मुसलमान एक-दूसरे के खिलाफ लड़े थे। अपनी 2020 की किताब अमेरिकन क्रूसेड में, उन्होंने लिखा कि जो लोग पश्चिमी सभ्यता का आनंद लेते हैं, उन्हें किसी क्रूसेडर का शुक्रिया अदा करना चाहिए। उनके दो टैटू क्रूसेडर इमेजरी से सम्बंधित है : उनके अनुसार जेरूसलम क्रॉस और ड्यूस वुल्ट या भगवान की इच्छा वाक्यांश, है जिसे हेगसेथ ने जेरूसलम की ओर मार्च करते समय ईसाई शूरवीरों का रैली का नारा कहा है। अमेरिका में ईसाई धर्म के लोग 65 परसेंट है और यही चुनाव में जीत हार को तय करता है पिछले इतिहास को देखेंगे तो मालूम पड़ेगा ऐ असल में एक धर्म युद्ध है जिसमें कई सालों से युद्ध हुआ और खतनाक नतीजे सामने आए हैं।

इसलिए भारत का इसमें क़ोई रोल है ही नहीं भारत में भगवान राम ने शान्ति का संदेश दिया और भारत में सनातन इसलिए गर्व से अपने भगवान राम के लिए मानवता का संदेश दुनिया को पहुंचाता रहा है इसलिए भारत विश्वगुरू है क्योंकि भारत में भगवान राम का आशीर्वाद है और जब भी क़ोई संकट आएगा तो संकटमोचन रामभक्त भगवान हनुमान उसे बचाने आएंगे।इसलिए मीडिया को ऐसी खबर दिखाने से बचना चाहिए जिसमें आतंकवादी को पालने वाला पाकिस्तान का गुणगान हो रहा हो और अपने देश की विदेश कूटनीति पर सवाल हो हमारा देश अंगजो के लाख कोशिश के बाद भी सबसे ज्यादा भगवान राम पर आस्था है यही प्रमाण है कि 1984 में जब रामानंद सागर की रामायण फ़िल्म आई तो बाहर सन्नाटा दिखाई देता और हर घर में रामायण का सीरियस हरेक घर में चलता था भगवान राम का मार्ग कठिनाई से भरा जरूर है लेकिन एक आदर्श इंसान बनने के लिए प्रेरणादायक है। इसलिए भारत को गर्व करना चाहिए कि भारत की धरती पर भगवान का जन्म राम के रुप में हुआ इसलिए यहाँ की मिट्टी में अपने प्रभु राम के चरणों से हरियाली है और उसी मिट्टी में पंचतत्व का शरीर राम नाम सत्य के नाम से ईश्वर को पाने की लालसा रखता है इसलिए हम किसी दूसरे के झगड़े में क्यों अपना समय बर्बाद करें होशियार आदमी को समझाया जा सकता है लेकिन मुर्ख को नहीं, हमारी सभ्यता और संस्कृति सबसे उत्कृष्ट है जिसे स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में सिद्ध किया अब खबर ऐ आई है कि पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता रहा बेनतीजा रहा क्या फिर युद्ध की आग में निर्दोष लोग मारे जायेंगे।

रक्तरंजित वैशाखी: जलियांवाला बाग हत्याकांड

भारतीय इतिहास में 13 अप्रैल का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण होने के साथ-साथ अत्यंत पीड़ादायक भी है। यह दिन जलियांवाला बाग हत्याकांड के रूप में स्मरण किया जाता है, जो ब्रिटिश शासन की क्रूरता का भयावह उदाहरण है। 13 अप्रैल 1919 को पंजाब के अमृतसर स्थित जलियांवाला बाग में निहत्थे और निर्दोष लोगों पर अंधाधुंध गोलियाँ चलाकर सैकड़ों लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई। इस घटना की पृष्ठभूमि में रॉलेट एक्ट था, जिसे काला कानून कहा गया, क्योंकि इसके तहत बिना मुकदमे के किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार करने का अधिकार सरकार को मिल गया था। इस अन्यायपूर्ण कानून का पूरे देश में विरोध हुआ।

सुनील कुमार महला

(13 अप्रैल दिवस विशेष आलेख)

अमृतसर में लोकप्रिय नेताओं सैफुद्दीन किचलू और डॉ. सत्यपाल ने इसका कड़ा विरोध किया और लोगों को संगठित किया। यहां पाठकों को बताता चलूं कि सैफुद्दीन किचलू का जन्म 1888 में अमृतसर में हुआ था; वे एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी, वकील और राष्ट्रवादी नेता थे तथा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से जुड़े थे। वहीं, डॉ. सत्यपाल भी अमृतसर के प्रसिद्ध चिकित्सक और स्वतंत्रता सेनानी थे, जो कांग्रेस से जुड़े हुए थे और शांतिपूर्ण आंदोलन का नेतृत्व कर रहे थे। 10 अप्रैल 1919 को ब्रिटिश सरकार ने दोनों नेताओं को गिरफ्तार कर लिया, जिससे जनता में भारी आक्रोश फैल गया और विरोध प्रदर्शन तेज हो गए।

13 अप्रैल 1919 को बैसाखी का पर्व था, इसलिए लगभग 10,000 पुरुष, महिलाएँ और बच्चे जलियांवाला बाग में एकत्र हुए। कुछ लोग राजनीतिक सभा के लिए आए थे, जबकि कई लोग मेले के कारण वहाँ पहुँचे थे। उस समय जलियांवाला बाग कोई व्यवस्थित बगीचा नहीं था, बल्कि चारों ओर मकानों से घिरा एक बड़ा खुला मैदान था, जिसमें आने-जाने के लिए केवल एक संकरा प्रवेश मार्ग था और चारों ओर ऊँची दीवारें थीं। सभा की सूचना मिलते ही ब्रिटिश अधिकारी रेजिनाल्ड डायर लगभग 90 सैनिकों के साथ वहाँ पहुँचा। उसके साथ दो मशीनगनों से लैस बख्तरबंद गाड़ियाँ भी थीं, जो संकरे मार्ग के कारण भीतर नहीं जा सकीं। डायर ने बिना किसी चेतावनी के सैनिकों को गोली चलाने का आदेश दे दिया। सैनिकों ने लगभग 10 मिनट तक लगातार गोलीबारी की और लगभग 1650 गोलियाँ चलाईं; गोलीबारी तब तक जारी रही जब तक गोला-बारूद लगभग समाप्त नहीं हो गया। सैनिकों ने सभी निकास मार्गों को घेर लिया था, जिससे लोग भाग नहीं सके और सैकड़ों लोग वहीं मारे गए। अपनी जान बचाने के लिए कई लोग बाग में स्थित एक कुएँ में कूद गए, जहाँ से बाद में 100 से अधिक शव निकाले गए; यह स्थान आज 'शहीदी कुआँ' के रूप में सुरक्षित स्मारक है।

मृतकों की संख्या को लेकर विभिन्न आँकड़े मिलते हैं।ब्रिटिश सरकारी अभिलेखों के अनुसार 379 लोग मारे गए और लगभग 200 घायल हुए; अमृतसर डिप्टी कमिश्नर कार्यालय की सूची में 484 शहीदों का उल्लेख मिलता है; जलियांवाला बाग की सूची में 388 शहीद दर्ज हैं; जबकि भारतीय अनौपचारिक आँकड़ों के अनुसार 1000 से अधिक लोग मारे गए और लगभग 2000 घायल हुए। ब्रिटिश अभिलेखों में मृतकों में 337 पुरुष, 41 नाबालिग लड़के और एक छह सप्ताह का शिशु शामिल था। घटना के बाद अमृतसर में कर्फ़्यू लगा दिया गया और घायलों को अस्पताल ले जाने की अनुमति तक नहीं दी गई, जिसके कारण कई लोग रातभर तड़पते हुए मर गए। इसके बाद पूरे क्षेत्र में मार्शल लॉ लागू कर दिया गया और जनरल डायर ने कई कठोर आदेश लागू किए, जिनमें 'क्रॉलिंग ऑर्डर' सबसे कुख्यात था, जिसके तहत एक गली से गुजरने वाले भारतीयों को पेट के बल रेंगकर गुजरने के लिए मजबूर किया जाता था; इसके अतिरिक्त अनेक स्थानों पर लोगों को सार्वजनिक रूप से कोड़े भी लगाए गए।

इस घटना(जलियांवाला बाग हत्याकांड) की देश-विदेश में तीव्र निंदा हुई और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रिटिश शासन की आलोचना हुई। दबाव में आकर ब्रिटिश सरकार ने हंटर आयोग का गठन किया। आयोग के समक्ष डायर ने स्वीकार किया कि उसने पहले से ही लोगों को सबक सिखाने का निर्णय ले लिया था और वह बख्तरबंद गाड़ियों के साथ आया था, जो संकरे मार्ग के कारण भीतर नहीं लाई जा सकीं। आयोग की रिपोर्ट के बाद 1920 में डायर को पदावनत कर कर्नल बना दिया गया, उसे भारत में कोई पद न देने का निर्णय लिया गया और अंततः उसे ब्रिटेन वापस भेज दिया गया। ब्रिटिश संसद के हाउस ऑफ कॉमन्स ने इस घटना की निंदा की, जबकि हाउस ऑफ लॉर्ड्स ने प्रारंभ में उसका समर्थन किया, जो ब्रिटिश इतिहास का एक शर्मनाक अध्याय माना जाता है। इस घटना से आहत होकर रवीन्द्रनाथ टैगोर ने ब्रिटिश सरकार द्वारा दी गई 'नाइटहुड' की उपाधि लौटा दी, वहीं महात्मा गांधी ने 'केसर-ए-हिंद' सम्मान वापस कर 1 अगस्त 1920 को असहयोग आंदोलन की शुरुआत की, जो अंग्रेजी शासन के विरुद्ध अहिंसक प्रतिरोध का व्यापक अभियान था। गांधीजी ने रॉलेट एक्ट के विरोध में सत्याग्रह का मार्ग अपनाया था। इस घटना का एक अन्य महत्वपूर्ण प्रभाव यह रहा कि ऊधम सिंह, जो इस हत्याकांड के प्रत्यक्षदर्शी थे, ने प्रतिशोध लेने का संकल्प लिया और 13 मार्च 1940 को लंदन के कैक्सटन हॉल में माइकल ओड्वायर की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया, मुकदमा चला और 31 जुलाई 1940 को पेंटनविल जेल में फाँसी दे दी गई। इस प्रकार, जलियांवाला बाग हत्याकांड केवल एक दुखद घटना नहीं, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक निर्णायक मोड़ था, जिसने देशवासियों के मन में स्वतंत्रता की ज्वाला को और अधिक प्रज्वलित कर दिया तथा अंग्रेजी शासन के अंत की नींव को मजबूत किया।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार, पिथौरागढ़, उत्तराखंड।)।

सरकारी जमीन पर अतिक्रमण पर चला बुलडोजर :

नोटिस के अगले दिन कार्रवाई; एकतरफा कार्रवाई का आरोप

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। प्रशासन ने देहात थाना क्षेत्र के महलसराय में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। रात करीब 9 बजे अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर स्वयं अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची और जेसीबी मशीन से अतिक्रमण हटवाया कार्रवाई के दौरान देहात थाना प्रभारी विकास यादव और कोतवाली प्रभारी रोहित दुबे के साथ भारी पुलिस बल तैनात रहा। जानकारी के अनुसार, महलसराय में खलील खान द्वारा शासकीय भूमि पर कब्जा कर वाहन पार्किंग स्टैंड बनाया गया था जिसे किराए पर संचालित किया जा रहा था इसके अतिरिक्त उन्होंने एक प्लॉट रिजवान खान को बेच दिया था। इस प्लॉट पर निर्माण कार्य भी शुरू हो चुका था और सीसी पिलर खड़े किए जा चुके थे। प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी की सहायता से निर्माणाधीन ढांचे, पार्किंग की बाउंड्री और गेट को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के उद्देश्य से की गई। इस कार्रवाई को लेकर खलील खान ने प्रशासन पर एकतरफा कार्रवाई का आरोप लगाया है। उनका दावा है कि संबंधित जमीन की स्टेट कालीन रजिस्ट्री उनके पास है और उसी आधार पर उन्होंने प्लॉट का विक्रय किया था उन्होंने यह भी बताया कि जमीन का नामांतरण, जियो टैगिंग और नगर पालिका से निर्माण की अनुमति भी ली गई थी उनके अनुसार रात में नोटिस देकर अगले ही दिन बिना उनका पक्ष सुने कार्रवाई कर दी गई। बताया जा रहा है कि संबंधित जमीन सर्वे नंबर 445 पर दर्ज है जहां एक ओर खलील खान इसे निजी भूमि बता रहे हैं वहीं शासकीय रिकॉर्ड में यह जमीन सरकारी भूमि के रूप में दर्ज है। इस मामले की शिकायत पहले तहसील कार्यालय, एसडीएम और कलेक्टर के पास की गई थी जिसके बाद प्रशासन ने जांच बाद यह कार्रवाई की।

रैली में शिक्षा के प्रसार व कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष का संदेश

मीडिया ऑडीटर,बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर7 एआईडीएसओ द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर शनिवार को रैली निकालकर जयंती मनाई गई। इसके साथ ही चांटीडीह में छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। रैली शासकीय जेपी वर्मा कॉलेज से प्रारंभ होकर मंदिर चौक तक निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए। इस दौरान समाज में शिक्षा के महत्व और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने समाज में फैली कुप्रथाओं और भेदभाव के खिलाफ संघर्ष किया और शिक्षा को सबसे बड़ा माध्यम बताया उनका मानना था कि शिक्षा के जरिए ही व्यक्ति में स्वाभिमान और सोचने-समझने की क्षमता विकसित होती है। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी गरीबों और वंचितों के लिए विद्यालय स्थापित किए। छात्र सम्मेलन में कहा गया कि वर्तमान समय में शिक्षा लगातार महंगी होती जा रही है। सरकारी स्कूल बंद हो रहे हैं और स्कूल-कॉलेजों की फीस बढ़ रही है जिससे शिक्षा आम लोगों की पहुंच से दूर होती जा रही है। शिक्षा बजट में कटौती और निजी संस्थानों की मनमानी फीस से स्थिति और गंभीर हो रही है।

मेयर ने पार्षद पर कांग्रेस से सांठगांठ का आरोप लगाया : महापौर खुद कांग्रेस से आईं हैं,पूजा-विधानी ने ही आरोप-प्रत्यारोप से इनंकार किया

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। भाजपा पार्षद दल की बैठक में विधायकों की कुर्सी खाली। मेयर और पार्षद में विवाद के बाद सबको शांत कराते जिलाध्यक्ष दीपक सिंह बिलासपुर में भाजपा पार्षद दल की बैठक में महापौर और पार्षद के बीच तीखी बहस हुई। जिला भाजपा कार्यालय में हुई इस बैठक में सफाई ठेके को लेकर महापौर पूजा विधानी और पार्षद रंगा नादम आमने-सामने आ गए। विवाद इतना बढ़ा कि महापौर ने पार्षद पर कांग्रेस से सांठगांठ के आरोप लगाए पार्षद रंगा नादम ने महापौर के आरोपों का पलटवार करते हुए कहा कि महापौर खुद कांग्रेस से भाजपा में आई हैं हालांकि महापौर पूजा विधानी ने बैठक में किसी भी विवाद या आरोप-प्रत्यारोप से इनकार किया है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा पार्षद दल में पूरी एकजुटता है और विवाद की कोई गुंजाइश नहीं है सफाई ठेके की दर बढ़ाने पर महापौर ने बताया कि पिछले स्वच्छता सर्वेक्षण में बिलासपुर दूसरे स्थान पर था शहर को पहले स्थान पर लाने के उद्देश्य से लायंस सर्विसेज के सफाई ठेके की दर में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर उसे एक साल के लिए आगे बढ़ाया गया है उन्होंने स्पष्ट किया कि यह निर्णय विधायक की सहमति से लिया गया है।

भाजपा पार्षद दल की बैठक में असंतोष उभरा: भाजपा पार्षद दल की बैठक में असंतोष खुलकर सामने आया हल्के आरोप-प्रत्यारोप के कारण स्थिति असहज हो गई। इसके बाद नगर विधायक अमर अग्रवाल ने पार्षदों को सख्त हिदायत दी। इसी कारण रंगा नादम ने पूरे मामले में चुप्पी साध ली दोपहर में कॉल करने पर उनके बेटे ने बताया कि वह फोन घर पर चार्जिंग में छोड़कर गए हैं।

कोई विधायक नहीं पहुंचे, जिलाध्यक्ष ने मामला संभाला: बजट बैठक से पहले भाजपा पार्षद दल की बैठक बुलाई जाती है ताकि सभी प्रस्ताव बहुमत से पारित हो सकें पिछली बैठक में नगर विधायक अमर अग्रवाल, धर्मजीत सिंह, धरमलाल कौशिक, सुशांत शुक्ला अलग-अलग कारणों से मौजूद नहीं रहे। विधायकों की अनुपस्थिति में पार्षद दल के भीतर मतभेद सतह पर आ गए विवाद बढ़ने पर जिलाध्यक्ष दीपक सिंह ने हस्तक्षेप कर स्थिति को शांत कराया। उन्होंने कहा कि अगली बैठक में सभी प्रस्ताव एकजुटता के साथ बहुमत से पारित करने होंगे। नोकझोंक के सवाल पर उन्होंने किसी भी तरह के विवाद से इनकार किया।

सिरसौद में बाइक हटाने पर विवाद : पिता और तीन बेटों को घर पहुंचकर पीटा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के सिरसौद थाना क्षेत्र के खौरघार गांव में ट्रैक्टर निकालने के लिए बाइक हटाने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया इस घटना में घर के बाहर बैठे एक पिता और उसके तीन बेटों के साथ लाठियों से बेरहमी से मारपीट की गई जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में से एक ओमप्रकाश जाटव (38) पिता बादाम जाटव ने बताया कि यह विवाद 11 अप्रैल की दोपहर को शुरू हुआ था उनके भतीजे रूपेश जाटव का गांव के गिर्राज रावत से ट्रैक्टर निकालने के लिए बाइक हटाने को लेकर झगड़ा हुआ था। उस समय रूपेश घर लौट आया था और मामला शांत हो गया घर पहुंचकर गाल-गलौज शुरू की शाम करीब 5:30 बजे ओमप्रकाश अपने परिवार के साथ घर के बाहर बैठे थे तभी गांव के कारे रावत, सुघर सिंह रावत और जय सिंह रावत लाठियां लेकर वहां पहुंचे। उन्होंने रूपेश के पुराने विवाद को लेकर गाली-गलौज शुरू कर दी इसी दौरान हल्के रावत और गिर्राज रावत भी मौके पर आ गए।

टोल बचाने रॉन्ग साइड दौड़ रहे ट्रक-डंपर :नर्मदा पुल के पास अचानक कट मारने से हादसे का खतरा

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। औबेदुल्लागंज-बैतूल हाईवे स्थित नर्मदा पुल के पास ट्रक, डंपर चालक 'शॉर्टकट' रास्ता अपना रहे हैं। हाईवे पर अचानक रॉन्ग साइड (नियम विरुद्ध) तरह से गाड़ी निकालने से खुद के साथ लोगों की जान खतरे में डाल रहे। ड्राइवर बुधवाडा टोल प्लाजा पर टोल बचाने के लिए यह शॉर्ट कट रास्ता अपना रहे हैं जिससे एक्सीडेंट का खतरा बना रहता रॉन्ग साइड से डंपर पार कराने से सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाया जा रहा है साथ ही आम जनता की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा है। नर्मदापुरम से भोपाल जाते समय नर्मदा नदी के पुल से डेढ़ किमी दूर टोल बूथ है टोल बूथ पर होने के बाद ही भोपाल से बैतूल जाने वाली सड़क पर आया जा सकता है। टोल पार करने से ड्राइवरों को टैक्स देना पड़ेगा इसलिए ड्राइवर नियम विरुद्ध तरह से सड़क पार कर रहे हैं अचानक इस तरह सड़क पार करने से दोपहिया और चार पहिया वाहनों के लिए दुर्घटना का जोखिम बना रहता है।

इमलिया गांव में लगी आग :25 किसानों की 80 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। नरवर तहसील के इमलिया गांव में आग लगने से करीब 25 किसानों की 80 से 90 बीघा गेहूं की खड़ी फसल जलकर राख हो गई। शाम को खेतों में आग भड़की घटना में किसानों को लाखों रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। खेतों में अचानक आग भड़क उठी तेज हवा के कारण आग तेजी से फैल गई और कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और ट्रैक्टर से जमीन काटकर तथा दवा छिड़कने वाली मशीनों की मदद से आग पर काबू पाने की कोशिश की सूचना मिलने पर दो फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचीं लेकिन पानी की कमी के कारण आग को पूरी तरह बुझाया नहीं जा सका इसके बाद ग्रामीणों ने तुरंत प्रशासन को सूचना दी। सूचना के बाद नरवर तहसीलदार और राजस्व अमला मौके पर पहुंचा और स्थिति का जायजा लिया प्रशासन द्वारा नुकसान का आकलन किया जा रहा है। ग्राम सरपंच शैलेन्द्र इंदर सिंह रावत ने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। उनकी भी लगभग 8 बीघा फसल जल गई है। उन्होंने बताया कि अंतराम कोली, संजय रावत, राजू रावत, गणेश रावत, बंटी रावत, चंद्र रावत, जीमा कोली, परमा कोली, बाबू कोली, रामराश रावत और प्राण सिंह परिहार सहित करीब 25 किसानों की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई है। किसानों ने मुआवजे की मांग की ग्रामीणों ने प्रभावित किसानों के लिए उचित मुआवजे की मांग की है और प्रशासन से जल्द राहत देने की अपील की है।

नशा मुक्ति बिलासपुर : जागरूकता पदयात्रा से गूंजा शहर, खुशहाल भविष्य का संदेश

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। जिसे कभी 'धान का कटोरा' कहा जाता था आज नशे और शराब की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण चिंता का विषय बनता जा रहा है। इसी गंभीर समस्या को लेकर 'नशा मुक्ति बिलासपुर, खुशहाल बिलासपुर' अभियान के तहत भगवती मानव कल्याण संगठन द्वारा एक जन-जागरूकता पदयात्रा का आयोजन किया गया। यह पदयात्रा शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर निकली जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, महिलाएं, युवा और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य लोगों को नशे और शराब के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और समाज को एक स्वस्थ दिशा में आगे बढ़ाना था। कार्यक्रम के दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है बल्कि परिवार और समाज की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति को भी कमजोर करता है उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे से दूर रहकर अपने भविष्य को संवारें। इस अवसर पर संगठन की केंद्रीय अध्यक्ष पूजा शुक्ला ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार द्वारा महिलाओं के लिए महतारी वंदन योजना के तहत आर्थिक सहायता दी जा रही है वहीं दूसरी ओर राज्य में शासकीय मदिरा दुकानों का विस्तार किया जा रहा है उन्होंने इस स्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि परिवार का मुखिया ही शराब को बढ़ावा दे तो समाज पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। उन्होंने आगे कहा कि जनता को अब जागरूक होने की आवश्यकता है और अपने स्वास्थ्य एवं सामाजिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे आना होगा उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में जनमानस सच्चाई को समझेगा और सही निर्णय लेगा। पदयात्रा के दौरान 'नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो' और 'स्वस्थ समाज, मजबूत राष्ट्र' जैसे नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। अंत में सभी प्रतिभागियों ने नशा मुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया। यह अभियान न केवल बिलासपुर बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ में एक सकारात्मक संदेश देने का प्रयास है जिससे आने वाली पीढ़ियों को एक बेहतर और स्वस्थ भविष्य मिल सके।

राशन कम देने पर, सेल्समैन पर मारपीट का आरोप

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के मायापुर थाना क्षेत्र के पहाड़ा गांव में शासकीय राशन दुकान पर राशन बांटने को लेकर विवाद हो गया यह विवाद इतना बढ़ गया कि सेल्समैन और उसके भाई ने एक युवक और उसके परिवार के साथ मारपीट की। पुलिस ने आरोपी सेल्समैन और उसके भाई के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पहाड़ा निवासी अमित जाटव (पुत्र लल्लाराम) राशन लेने पीडीएस दुकान पर पहुंचा था। अमित ने आरोप लगाया कि उसे तय 5 किलो गेहूं की जगह केवल 4 किलो दिया जा रहा था इसी बात को लेकर अमित और सेल्समैन उपेंद्र लोधी के बीच बहस शुरू हो गई।

छत्तीसगढ़ में 1 मई से जनगणना का पहला चरण

मीडिया ऑडीटर,छत्तीसगढ (निप्र)। जनगणना 2027 का पहला चरण 1 मई से 30 मई 2026 तक चलेगा। इस दौरान 'हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग सेंसस' के तहत हर परिवार, मकान और बुनियादी सुविधाओं का रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा कर्मचारी तय समय में घर-घर जाकर जानकारी जुटाएंगे। इस बार प्रक्रिया को डिजिटल बनाया गया है 16 अप्रैल से 30 अप्रैल के बीच लोग ऑनलाइन पोर्टल पर खुद भी अपने घर और परिवार की जानकारी भर सकेंगे इसे सेल्फ-एन्यूमरेशन कहा गया है। ऑनलाइन जानकारी भरने वालों को एक यूनिक आईडी मिलेगी जिसे बाद में कर्मचारियों को दिखाना होगा। जनगणना के इस चरण में मकान की स्थिति, उपयोग (रहवासी या व्यवसायिक), निर्माण की गुणवत्ता (कच्चा-पक्का), परिवारों की संख्या और बुनियादी सुविधाओं से जुड़े 33 सवाल पूछे जाएंगे। इसके अलावा पेयजल, शौचालय, बिजली, कुकिंग फ्यूल, इंटरनेट, टीवी-रेडियो जैसी सुविधाओं की भी जानकारी ली जाएगी।

हर घर बनेगा 'डिजिटल डॉट', 5 बड़े फायदे: इस बार हर मकान की जियो-टैगिंग कर उसे डिजिटल मैप पर दर्ज किया जाएगा। इसका फायदा कई स्तर पर मिलेगा। आपदा के समय राहत और बचाव तेजी से होगा, किस घर में कितने लोग हैं तुरंत पता चलेगा।विधानसभा और लोकसभा क्षेत्रों के परिसीमन में सटीक डेटा मिलेगा। शहरों में सड़क, स्कूल, अस्पताल और पार्क की बेहतर प्लानिंग हो सकेगी पलायन और शहरीकरण की सही तस्वीर सामने आएगी। मतदाता सूची में डुप्लीकेट नाम हटाने में मदद मिलेगी सरकार ने स्पष्ट किया है कि जनगणना के दौरान जुटाई गई सभी जानकारी गोपनीय रखी जाएगी। इसका इस्तेमाल सिर्फ योजनाएं बनाने और नीतिगत फैसलों के लिए किया जाएगा।

निगरानी के लिए कंट्रोल रूम, घर-घर पहुंचेगी टीम: जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कंट्रोल रूम बनाए जाएंगे। अधिकारी लगातार मॉनिटरिंग करेंगे और शिकायत के लिए हेल्पलाइन भी उपलब्ध रहेगी। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि अधिकृत पहचान पत्र वाले कर्मचारियों को ही जानकारी दें और सही जानकारी साझा करें। जनगणना 2026-पहले चरण के लिए 33 सवाल तय: ऑनलाइन पोर्टल पर भी जानकारी दे सकेंगे; लिव-इन कपल को शादीशुदा का दर्जा मिलेगा जनगणना-2026 का पहला चरण 1 अप्रैल से शुरू हो रहा है। इसमें 33 सवाल पूछे जाएंगे। इसके मुताबिक, स्थिर रिश्ते में रहने वाले लिव-इन कपल्स को भी शादीशुदा माना जाएगा। ऐसा तब ही होगा जब कपल मानेगा कि उनका रिश्ता लंबा चलने वाला है।

देश में जनगणना का पहला फेज अप्रैल से सितंबर 2026 तक चलेगा।

छत्तीसगढ़ में पहली बार मिला 'हाई-टेक' हाइड्रोपोनिक गांजा

पुलिस ने युवकों को गांजा और हाइड्रोपोनिक गांजा के साथ किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर,छत्तीसगढ (निप्र)। दुर्ग जिले में पुलिस ने 2 युवकों को गांजा और हाइड्रोपोनिक गांजा के साथ गिरफ्तार किया है पुलिस का कहना है कि प्रदेश में पहली बार इस तरह का हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त किया गया है। दोनों युवक हाई-टेक तरीके से उगाया गया हाइड्रोपोनिक गांजा बेच रहे थे। मामला भिलाई नगर थाना क्षेत्र का है। भिलाई नगर पुलिस को सूचना मिली थी कि रुआबांधा क्षेत्र में बीज विकास निगम के पास कुछ लड़के नशीले पदार्थों की बिक्री कर रहे हैं। ये लोग न सिर्फ गांजा बेच रहे थे बल्कि नशा करने के लिए इस्तेमाल होने वाला सामान जैसे चिलम और रोलिंग पेपर भी ग्राहकों को दे रहे थे। पकड़े गए आरोपियों की पहचान विक्रम साहू (29) निवासी तालपुरी और यश विश्वकर्मा (27) निवासी हुडको के रूप में हुई है। जब पुलिस ने इनकी तलाशी ली तो उनके पास से सामान्य गांजे के अलावा छोटे पैकेट में रखा हाइड्रोपोनिक गांजा मिला। पुलिस ने आरोपियों के पास से 2 किलो सामान्य गांजा, जिसकी कीमत करीब 1 लाख रुपए और 2.3 ग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया है। इसके अलावा पुलिस को 40 हजार कैश, एक महंगा मोबाइल फोन, चिलम, लाइटर और सिगरेट के साथ गोगो पेपर (रोलिंग पेपर) भी मिला है। जब्त किए गए पूरे सामान की कुल कीमत लगभग 1 लाख 75 हजार रुपए आंकी गई है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ज्यादा पैसा कमाने के लालच में इस अवैध कारोबार से जुड़े थे। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि भिलाई में यह हाइड्रोपोनिक गांजा कहां से आ रहा था और इस गिरोह में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है। हाइड्रोपोनिक गांजे की यह पहली बरामदगी पुलिस के लिए भी चौंकाने वाली है क्योंकि आमतौर पर इस तरह का नशा बड़े महानगरों और हाई-प्रोफाइल पार्टियों में देखा जाता है। दुर्ग पुलिस अब इनके नेटवर्क को खंगालने में जुटी है।

बिजली कटौती से पानी सप्लाई ठप:सीहोर में लोगों की मुश्किल बढ़ी, दो दिन बाद भी नहीं मिला पेयजल

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर में रविवार को अवकाश के दिन सुबह से ही बिजली कटौती कर दी गई, जिसका सीधा असर पेयजल सप्लाई पर पड़ा। दो दिन के अंतराल के बाद आज ही पानी सप्लाई का दिन था, लेकिन बिजली नहीं होने के कारण कई क्षेत्रों में पानी नहीं पहुंच पाया।

कई इलाकों में पानी की किल्लत: रविवार को 11 केवीए लूनिया, सुभाष और तहसील फीडर बंद किए गए। इससे लूनिया मोहल्ला, पुराना बस स्टैंड, वाल्मीकि मोहल्ला, भोपाली फाटक, पीडब्ल्यूडी, तहसील चौराहा, श्रीराम कॉलोनी, नेहरू कॉलोनी और मछली पूल क्षेत्र में सुबह से बिजली आपूर्ति ठप रही। इन इलाकों में पेयजल सप्लाई होनी थी, लेकिन बिजली कटौती के कारण पानी नहीं पहुंच सका।

नगर पालिका की मांग भी नहीं मानी: पेयजल सप्लाई का दिन होने के कारण नगर पालिका ने बिजली कंपनी से कटौती का समय बदलने की मांग की थी, लेकिन कंपनी ने उल्टा नगर पालिका को ही पानी सप्लाई का समय बदलने की सलाह दे दी।

लोगों में बढ़ रहा आक्रोश: सीहोर नगर सहित पूरे जिले में लोग विद्युत वितरण कंपनी की कार्यप्रणाली से नाराज हैं। घोषित और अघोषित बिजली कटौती लगातार बढ़ रही है, खासकर छुट्टी के दिनों में। भीषण गर्मी में पानी और बिजली दोनों की किल्लत से लोग परेशान हैं।

पहले भी हो चुका है विरोध: पिछले दिनों अघोषित बिजली कटौती से नाराज लोगों ने मंडी क्षेत्र में चक्का जाम भी किया था, लेकिन इसके बावजूद कंपनी के रवैये में कोई सुधार नहीं हुआ है। बिजली कंपनी के सहायक अभियंता (एई) अतुलेश सिंह के अनुसार, कई स्थानों पर पेड़ों की डालियां बिजली लाइनों से टकरा रही थीं। इन्हें हटाने के लिए बिजली कटौती की गई।

मंदसौर में यू-टर्न लेते समय पलटी कार चालक सुरक्षित

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर शहर के वायडी नगर थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई। यह हादसा महू-नीमच हाईवे स्थित जैन कॉलेज के सामने रात करीब 12:00 बजे हुआ, जब एक टोयोटा ग्लांजा कार (क्रमांक RJ 17 CB 6995) अचानक संतुलन खो बैठी। जानकारी के अनुसार, कार में केवल एक व्यक्ति सवार था, जिसकी पहचान लोकेश राठौर निवासी भवानी मंडी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि लोकेश भवानी मंडी से मंदसौर आए थे और उन्हें रामटेकरी की ओर जाना था, लेकिन रास्ता भटक जाने के कारण वे आगे निकल गए। जब लोकेश को अपनी गलती का अहसास हुआ, तो उन्होंने कार को यू-टर्न करने का प्रयास किया। इसी दौरान तेज रफ्तार के कारण वाहन अनियंत्रित हो गया और डिवाइडर से टकराकर सड़क के बीचों-बीच पलट गया। घटना के तुरंत बाद वायडी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से पलटी हुई कार को सीधा कर साइड में किया गया, जिससे यातायात बाधित नहीं हुआ। पुलिस ने चालक लोकेश को थाने लाकर कागज़ी कार्रवाई शुरू की है।

शराब के नशे में होने की आशंका: हादसे में चालक को कोई गंभीर चोट नहीं आई, लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वह शराब के नशे में प्रतीत हो रहा था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और चालक के मेडिकल परीक्षण की प्रक्रिया अपनाई जा सकती है।

शादी के कार्ड बांटने निकली युवती की मौत

बैतूल में स्कूटी को ट्रैक्टर ने मारी टक्कर

मीडिया ऑडीटर, बैतूल (निप्र)। बैतूल में अपनी शादी के कार्ड बांटने निकली युवती की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। शाहपुर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह शाहपुर बायपास पर ट्रैक्टर ने स्कूटी सवार युवती को टक्कर मार दी। युवती का नाम ऊषा उर्फ हीरा उईके (30 वर्ष) है वह गुरगुंदा गांव की रहने वाली थी। जानकारी के अनुसार, वह मुलताई से लौट रही थी और अपनी शादी के कार्ड बांट रही थी। उसकी शादी 12 मई को तय थी।

टक्कर मारने के बाद ट्रैक्टर चालक फरार: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शाहपुर बायपास पर हाईवे से निकल रहे एक ट्रैक्टर ने कट पॉइंट पर स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। हीरा उईके लोक सुविधा फाइनेंस में कार्यरत थी और टीवीएस शोरूम से भी जुड़ी हुई थी। शोरूम संचालक विनोद सुनारे ने बताया कि हादसे में उसके सिर में गंभीर चोट आई, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई।

चार बहनों में सबसे बड़ी थी हीरा: उसका विवाह देवझिरी प्रभात पट्टन के दिनेश धुर्वे से होने वाला था। वह चार बहनों में सबसे बड़ी थी। अचानक हुए इस हादसे से परिवार में मातम छा गया है। पुलिस ने मामले की पुष्टि की है और फरार ट्रैक्टर चालक की तलाश के साथ ही पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी है।

बंडा में सड़क पर शव रखकर चक्काजाम हत्या कर बोरे में शव भरकर फेंका था

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर में हत्या कर बोरे में शव भरकर सड़क किनारे फेंकने के मामले में रविवार को मृतक के परिजनों ने चक्काजाम कर दिया। वे बंडा के बरा चौराहे पर सड़क पर शव रखकर बैठ गए। उन्होंने गांव के कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगाते हुए उनके मकान गिराने की मांग की। चक्काजाम की सूचना पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। लोगों को समझाइश देकर शांत कराया। मामले में हत्या के आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। जिसके बाद परिजन माने। जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह कर्रापुर में राजा ढाबा के पास सड़क किनारे एक बोरा लावारिस हालत में पड़ा हुआ था। बोरे पर बाहर की तरफ खून लगा हुआ था। खून देखकर वहां से गुजर रहे राहगीरों और आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत करांपुर चौकी पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने जब बोरे को खोला, तो उसके अंदर पुरुष का शव मिला। पुलिस ने तत्काल घटनास्थल का मुआयना कर शव का पंचनामा बनाया। मामला जांच में लिया। जांच के दौरान मृतक की पहचान महेंद्र पिता कोमल अहिरवार उम्र 38 साल निवासी ग्राम भेड़ा बंडा के रूप में हुई है। मृतक शुक्रवार शाम को घर से निकला था। जिसके बाद वह वापस नहीं लौटा।

आरोपियों पर कार्रवाई की मांग, जाम लगाया: रविवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन को सौंप दिया। परिजन शव लेकर बंडा के बरा चौराहे पर पहुंचे और चक्काजाम कर दिया। सड़क पर शव रखकर झुलसाने वाली धूप में बैठ गए। परिजन ने आरोप लगाते हुए कहा कि गांव के हरिशंकर ने अपने साथियों के साथ मिलकर महेंद्र की हत्या कराई है। वह शुक्रवार शाम करीब 7 बजे घर से गया था। रात करीब 9.30 बजे पत्नी ने बात की तो आधे घंटे में घर आने का बोला था। लेकिन वह नहीं आया और मोबाइल बंद हो गया था। उन्होंने मामले में दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने और उनके मकान गिराने की मांग की है। पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता राशि दिलाने की भी मांग की। मामले में पुलिस और प्रशासन ने सख्त कार्रवाई कर नियमानुसार सहायता दिलाने का आश्वासन दिया है।

कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या की गई: वारदात में मृतक महेंद्र के शरीर पर कुल्हाड़ी के घाव है। उसके माथे और सिर पर चोटों के निशान हैं। एक कान कटा है। हत्या करने के बाद आरोपियों ने शव को साड़ी की रस्सी बनाकर बांधा और बोरे में भरकर गाड़ी में रखकर सड़क किनारे फेंककर फरार हो गए। मृतक के हाथ में रोटी और ककड़ी का टुकड़ा भी मिला है। बहेरिया थाना पुलिस हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है। संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

हत्या कर युवक का शव बोरे में भरकर फेंका: सागर जिले में कानपुर हाइवे पर कर्रापुर स्थित राजा ढाबा के पास खून से सने बोरे में शव बरामद हुआ है। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने बोरा खोलकर शव निकाला और उसे पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

छतरपुर की बलराम स्वीट्स दुकान में लगी आग

फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया मिठाइयां, कच्चा माल, फर्नीचर जला

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के पन्ना रोड स्थित पन्ना नाका इलाके में रविवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब प्रसिद्ध बलराम स्वीट्स दुकान में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में दुकान में रखा अधिकांश सामान जलकर खाक हो गया। घटना के दौरान इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और आसपास के लोग दहशत में आ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग की लपटें काफी ऊंची उठ रही थीं और दुकान से घना धुआं निकल रहा था। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया, जिससे आसपास की दुकानों और मकानों को भी खतरा पैदा हो गया। लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। सूचना मिलते ही तहसीलदार मैडम अग्रवाल और सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और क्षेत्र को घेरकर लोगों को सुरक्षित दूरी पर किया। इसके बाद फायर ब्रिगेड को बुलाया गया, हालांकि स्थानीय लोगों का आरोप है कि दमकल टीम देर से मौके पर पहुंची। इसके बावजूद, पहुंचने के बाद दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पा लिया।

लाखों के नुकसान की आशंका: राहत की बात यह रही कि इस भीषण आगजनी में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। लेकिन दुकान में रखी मिठाइयां, कच्चा माल, फर्नीचर और अन्य सामान पूरी तरह जल गया, जिससे लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

आग के कारणों की जांच जारी: आग लगने के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है। शुरुआती तौर पर शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और नुकसान का आकलन किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि फायर ब्रिगेड समय पर पहुंच जाती, तो नुकसान कम हो सकता था। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में चर्चा का माहौल है और लोग सुरक्षा व्यवस्थाओं पर सवाल उठा रहे हैं।

मंदिर के कुएं के पास मिला तीन माह का नवजात

चिलचिलाती धूप में रोने के आवाज सुन पहुंचे लोग डॉक्टर बोले- तेज बुखार हं

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर के देवीजी चौकी इलाके स्थित शिव मंदिर परिसर में बने कुएं के पास तीन माह का नवजात पड़ा मिला है। रविवार की सुबह करीब साढ़े 11 बजे कोतवाली थाना क्षेत्र के देवीजी इलाके में मंदिर जा रहे लोगों ने पुलिस को सूचना दी।पुलिस का कहना है कि दोपहर में कुछ लोग मंदिर के पास से गुजर रहे थे। उन्हें बच्चे की रोने की आवाज सुनाई दी। वे जब कुएं के पास पहुंचे तो कपड़े में नवजात मिला। वे लोग बच्चे को लेकर सीथे चौकी पहुंचे। यहां से हम लोग उसे अस्पताल लेकर गए। उसे समय पर उपचार मिल सका और उसकी जान बच गई।बच्चे को अस्पताल की एनबीएसयू (न्यूबॉर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट) में भर्ती किया गया है। ड्यूटी पर मौजूद डॉ. पृथ्वीराज सिंह ने बताया कि बच्चे की उम्र लगभग 2 से 3 महीने है और उसे बुखार भी है। फिलहाल उसकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है और उसके पोषण व स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

सागर रेलवे स्टेशन के बाहर मिला शव

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के रेलवे स्टेशन पर व्यक्ति का शव मिला है। शव होने की सूचना पर जीआरपी, आरपीएफ और कैंट पुलिस मौके पर पहुंची। शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। मामले में कैंट पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है। जानकारी के अनुसार, रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 के बाहर प्रवेश द्वार के पास परिसर में करीब 50 वर्षीय व्यक्ति का शव पड़ा था। शव देख लोगों ने जीआरपी को सूचना दी। जीआरपी मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। उन्होंने कैंट पुलिस को सूचना दी। शव के पंचनामा कार्रवाई को लेकर जीआरपी और कैंट के बीच असमंजस की स्थिति बनी। दोनों पुलिस के बीच बातचीत के बाद कैंट पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। प्राथमिक जांच में मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। बीमारी के चलते मृतक की मौत होने की आशंका जताई जा रही है।

बड़वानी में बढ़ी गर्मी, अस्पताल में मरीजों की भीड़:तापमान 39 डिग्री

सड़कों पर सन्नाटा; मौसम केंद्र बंद

मीडिया ऑडीटर, बड़वानी (निप्र)। बड़वानी जिले में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। रविवार को जिले का तापमान 38 से 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिसके कारण जनजीवन प्रभावित हुआ। तेज धूप और गर्म हवाओं के चलते सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। गर्मी बढ़ने के साथ ही जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या में अचानक वृद्धि हुई है। रविवार को ओपीडी में 400 से अधिक मरीज पहुंचे, जिनमें से अधिकांश वायरल फीवर से पीड़ित थे। इस बीच, बड़वानी के लिए मौसम संबंधी जानकारी का एक महत्वपूर्ण स्रोत बंद हो गया है। ग्राम तलून में स्थित स्वचालित मौसम इकाई, जिसे भारत मौसम विज्ञान विभाग ने छह साल पहले शुरू किया था, 1 अप्रैल से बंद कर दी गई है। इसका संचालन दिल्ली से रोक दिया गया है क्योंकि इसका अनुबंध मार्च 2026 में समाप्त हो रहा था। यह इकाई दिन-रात के तापमान के साथ-साथ आगामी दिनों के मौसम का अनुमान भी जारी करती थी, जो आम जनता और कृषि प्रधान जिले के किसानों के लिए बेहद उपयोगी थी। इसके बंद होने से अब अधिकृत रूप से तापमान की जानकारी मिलना पूरी तरह से बंद हो गई है। हाल ही में राजस्थानी पश्चिमी विक्षोभ के कारण हुई बादल-वर्षा का असर कम होने के बाद अब मौसम साफ हो गया है। दिन में तेज धूप और गर्म हवाएं चल रही हैं, जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। ऐसे में जनजीवन और किसानों के लिए तापमान की अधिकृत जानकारी की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

पर्याप्त मात्रा पानी पीने की सलाह: सिविल सर्जन डॉ. मनोज खन्ना ने लोगों को सलाह दी है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में शरीर में पानी की कमी होती है। इसलिए लोगों को पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए। धूप में कम निकलना चाहिए और खान-पान में सावधानी बरतना बेहद जरूरी है।

मऊगंज में पिकअप ने महिला को कुचला, मौके पर मौत

लोग बोले-नशे में था ड्राइवरजानबूझकर बैक कर चढ़ाया वाहन; आरोपी फरार

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मऊगंज के नईगढ़ी कस्बे में रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक मजदूर महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पिकअप चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

खेत जाते समय हुआ हादसा: मृतका की पहचान वार्ड क्रमांक 14 निवासी शकुंतला आदिवासी, पति लव आदिवासी के रूप में हुई है। वह रविवार सुबह अन्य महिलाओं के साथ पैदल गेहूं काटने खेत जा रही थीं।

नईगढ़ी किला के पास पहुंचते ही सामने से आ रही एक पिकअप अचानक पीछे की ओर तेज रफ्तार में बढ़ी और शकुंतला उसकी चपेट में आ गई।

जान बचाने की कोशिश रही नाकाम: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला ने खुद को बचाने के लिए पास बने चबूतरे पर चढ़ने की कोशिश की, लेकिन पिकअप ने उन्हें कुचल दिया। हादसा इतना गंभीर था कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

नशे में होने का आरोप: घटना के बाद वहां मौजूद लोगों ने चालक को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह वाहन छोड़कर भाग निकला। प्रत्यक्षदर्शी अनीता कोल और सुमन कोल ने आरोप लगाया कि चालक और उसका साथी नशे की हालत में थे। सूचना मिलते ही नईगढ़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। थाना प्रभारी ऋषि कुमार द्विवेदी ने बताया कि मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है और फरार चालक की तलाश की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है और लोग दोषी चालक की जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

सिलवानी में झोपड़ियों में भीषण आग

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के सिलवानी में शनिवार रात झोपड़ियों में भीषण आग लग गई। सागर मार्ग स्थित त्रिमूर्ति मंदिर के पास हुई इस घटना में तीन से चार मवेशियों की जलकर मौत हो गई। आग की चपेट में आने से कई पेड़ भी जल गए। सड़क किनारे बनी इन झोपड़ियों में भूसा रखा हुआ था, जिसके पास गाय-बछड़े बंधे थे। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और मवेशी इसकी चपेट में आ गए। आग लगते ही स्थानीय लोगों ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को सतर्क किया। उन्होंने तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही नगर परिषद सिलवानी की छोटी और बड़ी दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान पुलिस भी मौके पर मौजूद रही और स्थिति को नियंत्रित किया। हालांकि, आग पर काबू पाने से पहले ही काफी नुकसान हो चुका था। प्रारंभिक तौर पर सूखे भूसे के कारण आग तेजी से फैलने का अनुमान है। आग लगने का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस और संबंधित विभाग मामले की जांच में जुटे हैं।

आईपीएल

अंपायर से बहस करने पर नीतीश राणा पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया

धीमी ओवर-रेट के लिए गायकवाड़ पर जुर्माना लगाया गया

चेन्नई, एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज नितीश राणा पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान चौथे अंपायर के साथ तीखी बहस करने के लिए उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

यह घटना 19 वें ओवर में घटी जब अंपायर ने ट्रिस्टन स्टब्स के गीले दस्ताने बदलने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया, जिसके कारण तीखी बहस छिड़ गई। स्टब्स ने शनिवार को चेन्नई की उमस में अत्यधिक पसीने के कारण अपने दस्ताने बदलने का अनुरोध किया था।

आउट होने के बाद, निराश राणा ने चौथे अंपायर से बहस की, जिसके लिए उन्हें एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया।

आईपीएल ने एक बयान में कहा, 'दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज नीतीश राणा पर उनकी मैच फीस का 25% जुर्माना लगाया गया है और साथ ही आईपीएल के खिलाड़ियों के लिए आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के लिए उन्हें 1 डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया है। 'बयान में आगे कहा गया है, 'राणा को आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 का उल्लंघन करते हुए पाया गया है, जो 'मैच के दौरान स्पष्ट रूप से अभद्र भाषा का प्रयोग' करने से संबंधित है। राणा ने अपराध स्वीकार किया और मैच रेफरी द्वारा दी गई सजा को मान लिया। धीमी ओवर-रेट के लिए गायकवाड़ पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ धीमी ओवर-रेट बनाए रखने के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। सीएसके ने शनिवार को यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स पर 23 रन की जीत के साथ इस आईपीएल में अपना खाता खोला। आईपीएल की मीडिया एडवाइजरी में कहा गया है, 'चूंकि यह आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का इस सीजन का पहला अपराध था, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, इसलिए गायकवाड़ पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। सीएसके का अगला मुकाबला मंगलवार को कोलकाता नाइट राइडर्स से होगा।

बेल्जियम ने 18 बार की चैंपियन संयुक्त राज्य अमेरिका को हराकर बिली जीन किंग कप के फाइनल में जगह बनाई

बेंगलुरु, एजेंसी। बेल्जियम ने शनिवार को 18 बार के चैंपियन अमेरिका को हराकर बिली जीन किंग कप फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया, वहीं ब्रिटेन, इटली, कजाकिस्तान, स्पेन, यूक्रेन और चेक गणराज्य ने भी मेजबान चीन के साथ सीजन के अंत में होने वाले टीम इवेंट में अपनी जगह पक्की कर ली।

बेल्जियम ने ओस्टेंड में क्वालीफाई कर लिया, जहां विश्व नंबर 149 ग्रीट मिनन ने इवा जोविक पर 7-5 6-3 से जीत हासिल करके उलटफेर किया और अपनी टीम को 2022 के बाद पहली बार फाइनल में पहुंचाया।

ब्रिटेन ने मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3-1 से जीत हासिल करके अपनी जगह पक्की कर ली, शुक्रवार के एकल मैचों में 2-0 की शानदार बढ़त लेने के बाद युगल में जीत के साथ प्रतियोगिता अपने नाम कर ली। हैरियट डार्ट और जोडी बुरेज ने स्टॉर्म हंटर और एलेन पेरेज़ पर 6-3 6-4 से जीत हासिल करके प्रतियोगिता अपने नाम कर ली, जिससे बिली जीन किंग कप में नवंबर 2022 से चली आ रही ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी की अपराजेय युगल दौड़ समाप्त हो गई। चैंपियन इटली ने भी वेलेट्री में क्ले कोर्ट पर जापान को 3-1 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। रात भर 2-0 की बढ़त बनाए रखने वाली जैस्मीन पाओलिनी और सारा एर्रानी ने युगल में शुको आओयामा और एरी होजुमी को 6-2 7-5 से हराकर टूर्नामेंट अपने नाम कर लिया।

रोहित ने भाला फेंक में सचिन को पछाड़ा तूर ने शॉट पुट में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार फॉर्म में वापसी की।

नई दिल्ली, एजेंसी। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में नवनिर्मित मोंडो ट्रैक पर आयोजित भारतीय एथलेटिक्स सीरीज-3 में भारतीय ट्रैक एंड फील्ड के कुछ जाने-माने नामों, जिनमें युवा भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव भी शामिल थे, को शानदार प्रदर्शन करने के लिए आदर्श परिस्थितियां मौजूद थीं। लेकिन रोहित यादव ने सचिन को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया और शाम की सबसे बहुप्रतीक्षित प्रतियोगिता में जीत का गौरव प्राप्त किया।

सचिन, जो दिल्ली में कोच सर्गेई मकारोव के साथ प्रशिक्षण ले रहे हैं, प्रशिक्षण में 90 मीटर का आंकड़ा पार करने के लिए अच्छे संकेत दे रहे थे, लेकिन वे केवल 81.95 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर दूसरे स्थान पर रहे। दरअसल, 76.84 मीटर के औसत से कम प्रयास के बाद, वे यशवीर सिंह (80.38 मीटर), रोहित (79.02 मीटर) और किशोर जेना (77.79 मीटर) से पीछे चौथे स्थान पर रहे।

रोहित ने अपने अगले प्रयास में 81.90 मीटर की थ्रो के साथ बढ़त बना ली। इसके बाद सचिन ने अपने पांचवें प्रयास में 81.95 मीटर की थ्रो के साथ बढ़त हासिल कर ली। रेलवे का प्रतिनिधित्व करते हुए रोहित ने तुरंत बेहतर थ्रो करते हुए 82.17 मीटर की थ्रो के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। यशवीर 81.61 मीटर की सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। आर्मी के शिवम लोहाकरे और जेना दोनों 80 मीटर का आंकड़ा पार करने में असफल रहे।

100 मीटर दौड़ में मौजूदा राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अनिमेष कुजूर ने रेलवे के तमिल अरसु एस को कड़ी टक्कर में हराकर दिन की सबसे महत्वपूर्ण प्रतियोगिता जीत ली। हालांकि दोनों धावकों का फिनिश लाइन पर समय 10.28 सेकंड था, लेकिन ओडिशा के धावक को विजेता घोषित किया गया। रिलायंस के गुरिंदरवीर सिंह 10.40 सेकंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे। दौड़ के बाद कुजूर ने कहा कि वे परिणाम से संतुष्ट हैं।

'मैं समय को लेकर खुश और संतुष्ट हूं। सीज़न लंबा है और मेरा लक्ष्य 100 मीटर और 200 मीटर में 10वें और 20वें स्थान पर पहुंचना है। आज की दौड़ राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों के लिए सही तैयारी थी, जो हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण प्रतियोगिताएं हैं,' उन्होंने कहा।

एशियाई खेलों में दो बार स्वर्ण पदक जीतने वाले तजिंदरपाल सिंह तूर ने शानदार फॉर्म दिखाते हुए शॉट पुट प्रतियोगिता में 21.03 मीटर का थ्रो करके जीत हासिल की। ??कर्णवीर सिंह (19.30 मीटर) और रेलवे के अनुराग सिंह कलेर (18.03 मीटर) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

'मैं क्या कहूँ, पिछले दो सालों से टखने की चोट के कारण मैं परेशान रहा हूँ। मैं अभी तक 2021-23 वाली अपनी फॉर्म में नहीं पहुँच पाया हूँ। अगर मैं उसके आस-पास भी पहुँच गया तो हम कमाल कर सकते हैं। मेरा लक्ष्य राष्ट्रमंडल खेलों में शॉट पुट में पदक जीतना है, क्योंकि मेरा मानना है कि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ है,' तूर ने कहा।

भारतीय रेसिंग की प्रतिभाशाली खिलाड़ी अतिका मीर एफआईए इंटरनेशनल कार्ट रैंकिंग में शीर्ष महिला खिलाड़ी बन गईं

लोनाटो, एजेंसी। भारतीय रेसिंग प्रतिभा अतिका मीर ने एफआईए इंटरनेशनल कार्ट रैंकिंग (आईकेआर) में अपनी श्रेणी में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाली महिला के रूप में उभरकर अपने तेजी से बढ़ते करियर में एक मील का पत्थर साबित किया है।

11 वर्षीय यह खिलाड़ी इंटरनेशनल ओके-एनजे वर्ग (12-14 वर्ष आयु वर्ग) में कुल मिलाकर सातवें स्थान पर है, जिससे वह मोटरस्पोर्ट की विश्व शासी निकाय एफआईए द्वारा गणना की गई रैंकिंग में सबसे उच्च स्थान प्राप्त करने वाली महिला रेसर बन गई है। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, रैंकिंग में शीर्ष पर स्विट्जरलैंड के ज़ोल्टन कोइग्नी हैं।

अतिका, जो फॉर्मूला 1 अकादमी द्वारा समर्थित होने वाली पहली भारतीय हैं, को उनकी विशेष प्रतिभा को देखते हुए 2026 की शुरुआत में मिनी वर्ग (8-12) से जूनियर (12-14 वर्ष की आयु) वर्ग में तेजी से पदोन्नत किया गया था।

उन्होंने पिछले महीने वालेंसिया में आयोजित चैंपियंस ऑफ द फ्यूचर एकेडमी (सीओटीएफए) श्रृंखला के पहले दौर में ऐतिहासिक पोडियम स्थान हासिल करके अपने समर्थकों द्वारा दिखाए गए अपार विश्वास को सही साबित किया।

रिंग से लेकर पोडियम तक: राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता पिंकी जांगरा ने महिला आरक्षण विधेयक की सराहना की

नई दिल्ली , एजेंसी। फिटनेस और राष्ट्रीय प्रगति का जश्न मनाने वाले दिन, 2014 राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता पिंकी जांगरा ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए सरकार के नवीनतम प्रयास का समर्थन करते हुए इसे लैंगिक असमानता पर करारा प्रहार बताया।

'फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल' कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए, अनुभवी मुक्केबाज ने रिंग में भारत की बढ़ती सफलता को संसद में महिलाओं की क्षमता से जोड़ा और जोर देकर कहा कि 'समानता और अवसर' राष्ट्रीय सशक्तिकरण के दोहरे इंजन हैं।

'यह हमेशा से समानता का मुद्दा रहा है। अब हम कई क्षेत्रों में देख रहे हैं कि महिलाओं को काफी आगे लाया जा रहा है। यह सभी महिलाओं के लिए अच्छा है क्योंकि उन्हें प्रोत्साहन मिल रहा है और उन्हें अवसर मिल रहे हैं। जाहिर है, हर किसी में प्रतिभा होती है। इसलिए अगर किसी को खुद को अभिव्यक्त करने का मौका दिया जाए तो वे किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे, यह महिला सशक्तिकरण के लिए अच्छा है,' जांगरा ने एएनआई को बताया।

सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम, जिसे महिला आरक्षण विधेयक भी कहा जाता है, में संशोधन करने का लक्ष्य रखती है। इस विधेयक का उद्देश्य परिसीमन प्रक्रिया से महिलाओं के लिए कोटा को अलग करना है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 में पारित हुआ था।

परिसीमन के लिए एक अलग विधेयक पेश किया जाएगा। महिलाओं के लिए आरक्षण हेतु दोनों विधेयकों को संवैधानिक संशोधन के रूप में पारित करना आवश्यक है। नई लोकसभा में 800 से अधिक सीटें होने की संभावना है।

संसद का 16 अप्रैल से तीन दिवसीय विशेष सत्र शुरू होने जा रहा है, जिसमें महिला आरक्षण संशोधन विधेयक पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सरकार ने दो प्रमुख संशोधन प्रस्तावित किए हैं। 2023 के नारी शक्ति वंदन अधिनियम में महिला आरक्षण को नई जनगणना और परिसीमन से जोड़ा गया है।

जनगणना में देरी के कारण, 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर आगे बढ़ने की योजना है। 2011 की जनगणना को परिसीमन और सीट पुनर्वितरण का आधार बनाया जाएगा। संशोधन के बाद लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़कर 816 हो सकती है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन हेतु संसद में एक विधेयक पेश किया जाएगा। इसके साथ ही परिसीमन संबंधी एक अलग विधेयक भी पेश किया जाएगा। महिला आरक्षण के लिए संवैधानिक संशोधन हेतु दोनों विधेयकों का पारित होना आवश्यक है।

नई लोकसभा में 800 से अधिक सीटें होने की संभावना है। यथास्थिति बनाए रखते हुए, ओबीसी आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं है, जबकि एससी/एसटी आरक्षण जारी रहेगा। हालांकि, राज्यों की इसमें कोई भूमिका नहीं होगी; संसद द्वारा पारित विधेयक उन पर लागू होगा।

वर्तमान में लोकसभा में 543 सीटें हैं। प्रस्तावित 50% वृद्धि के साथ, सीटों की संख्या बढ़कर 816 हो जाएगी, जिनमें से 273 (लगभग एक तिहाई) सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

जांगरा ने हाल ही में आयोजित एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2026 का उदाहरण देते हुए बताया कि महिलाओं को मंच मिलने पर क्या परिणाम होते हैं।

घरेलू मैदान पर आर्सेनल की हार से खिताब की दौड़ फिर से रोमांचक हो गई है।

चंडीगढ़, एजेंसी। बोर्नमाउथ के हाथों घरेलू मैदान पर 2-1 से मिली हार के बाद प्रीमियर लीग खिताब की दौड़ में आर्सेनल की पकड़ कमजोर हो गई है। इस हार का असर सीजन के आखिरी दौर में काफी अहम हो सकता है। इस मैच से पहले आर्सेनल के पास शीर्ष पर अपनी बढ़त को 12 अंकों तक बढ़ाने का मौका था। लेकिन अब यह अंतर नौ अंकों का ही रह गया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि मैनचेस्टर सिटी के पास दो मैच बाकी हैं और वे अगले सप्ताहांत आर्सेनल की मेजबानी करने वाले हैं, यह मैच खिताब की दौड़ का रुख बदल सकता है।

नेतृत्व कर रही टीम के प्रदर्शन ने ही चिंताएँ बढ़ा दीं। बोर्नमाउथ ने बेहतर शुरुआत की और उन्हें इसका शुरुआती फायदा तब मिला जब जूनियर क्रूपी ने एक डिफ्लेक्टेड क्रॉस के बाद नज़दीकी रेंज से गोल दाग दिया। आर्सेनल शुरुआती दौर में खेल की गति को नियंत्रित करने में संघर्ष कर रही थी और जब भी बोर्नमाउथ आगे बढ़ने की कोशिश करती, आर्सेनल कमज़ोर नज़र आती। मेजबान टीम को पेनल्टी के ज़रिए वापसी का रास्ता मिला, जब रयान क्रिस्टी के हैंडबॉल के फैसले के बाद विक्टर ग्योकेरेस ने गोल दागा। हालांकि, बराबरी के इस गोल से आर्सेनल के पक्ष में निर्णायक बदलाव नहीं आया। निर्णायक क्षण दूसरे हाफ में आया जब एलेक्स स्कॉट ने एक बेहतरीन मूव को अंजाम दिया, पेनल्टी एरिया के किनारे पर एक फ्लिक पर दौड़ते हुए डेविड राया को पछाड़ते हुए गोल दाग दिया।

उन्होंने वाकई अपनी ताकत का पूरा इस्तेमाल किया : एरिक सिमंस ने डीसी के खिलाफ जेमी ओवरटन की शानदार गेंदबाजी पर अपनी राय व्यक्त की

चेन्नइ, एजेंसी। शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के तेज गेंदबाज जेमी ओवरटन ने चार विकेट लेकर दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया। सीएसके के गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस ने बताया कि मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ पिछले मैच में अप्रभावी प्रदर्शन के बाद ओवरटन ने अपनी ताकत पर टिके रहकर सफलता हासिल की।

उन्होंने कहा कि प्रयोग करने के बजाय, ओवरटन ने अपनी सटीक लेंथ और भरोसेमंद यॉर्कर गेंदों पर ध्यान केंद्रित किया, साथ ही एक अच्छी तरह से विकसित स्लोअर बॉल का भी इस्तेमाल किया। सिमंस ने इस बात पर जोर दिया कि यह मिश्रण, विशेष रूप से गति में व्यापक बदलाव, ओवरटन को कहीं अधिक प्रभावी बनाता था, जिससे खिलाड़ियों के लिए अपनी खुद की रणनीति खोजना और उस पर भरोसा करना कितना महत्वपूर्ण है, यह स्पष्ट होता है।

पिछले हफ्ते आरसीबी के बल्लेबाजों द्वारा बुरी तरह पीटे जाने के बाद, ओवरटन ने शनिवार को डीसी के खिलाफ जोरदार वापसी की और केवल 18 रन देकर 4 विकेट लिए।

'मुझे लगता है कि महत्वपूर्ण बात यह है कि खेल के क्षेत्र में प्रत्येक व्यक्ति अपने काम को करने का अपना तरीका खोजे। इसलिए उन्होंने (जेमी ओवरटन) पिछले हफ्ते कुछ ऐसा करने की कोशिश की जो कारगर नहीं रहा, लेकिन आज रात उन्होंने अपनी ताकत का पूरा इस्तेमाल किया, हार्ड लेंथ पर गेंदबाजी की, उनके पास हमेशा से एक बेहतरीन यॉर्कर रही है। उन्होंने ऑफ पेस डिलीवरी पर भी काम किया है, जो 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते समय, 120 किलोमीटर प्रति घंटे से कम की ऑफ पेस डिलीवरी होने पर बहुत प्रभावी होती है, इसलिए उन्होंने इस पर भी काम किया है,' साइमन्स ने पत्रकारों से कहा।

आखिरकार, अपने घरेलू मैदान पर लगातार छह हार के बाद, पांच बार की चैंपियन टीम सीएसके का चेपॉक किला एक बार फिर जीवंत हो उठा। संजू सैमसन के शतक और ऑलराउंडर जेमी ओवरटन के चार विकेटों की बदौलत सीएसके ने सीजन के अपने पहले अंक हासिल किए और लगातार तीन हार के बाद यह उनका अब तक का सबसे संपूर्ण प्रदर्शन रहा।

साइमन्स ने कहा कि आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स की पहली जीत किसी अचानक आए विश्वास परिवर्तन के बजाय गति, मजबूत तैयारी और दृढ़ मानसिकता से प्रेरित थी। उन्होंने कहा कि टीम का आत्मविश्वास हमेशा से ही मौजूद था, लेकिन उनकी ऊर्जा और सकारात्मकता, जो सरफराज खान के कैच जैसे शानदार फील्डिंग क्षणों में परिलक्षित हुई, जिसने डीसी के कप्तान अक्षर पटेल को वापस पवेलियन भेज दिया, ने सीएसके को टीम का मनोबल बढ़ाने में मदद की।

'मेरा मतलब है, यह हमेशा से इस टूर्नामेंट के बारे में ही रहा है, आपको लय में आना होगा, आपको सकारात्मकता बनाए रखनी होगी, लेकिन इस तरह की जीत के बाद कैंप में काफी सकारात्मकता है, जाहिर है, लेकिन इससे पहले भी अभ्यास अच्छे रहे हैं, खिलाड़ियों का रवैया अच्छा रहा है। आज आत्मविश्वास बहुत अच्छा था; क्या यह पिछले मैचों से कम था? नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता, मेरा मतलब है, मुझे लगता है कि यह आत्मविश्वास की कमी नहीं थी, मुझे लगता है, आप जानते हैं, यह अजीब बात है, अक्सर फील्डिंग ही टीम का मिजाज तय करती है, और सरफराज जिस तरह से कैच लेता है, उससे सबका मनोबल बढ़ जाता है, तो ऐसा होता है। मैं कहूंगा कि लड़के आज यह मैच जीतने के लिए वाकई बेताब थे। मुझे लगता है कि हम लगातार 2-3 हार के बाद हार से थक चुके थे, इसलिए लड़कों का रवैया कुछ अलग ही था, लेकिन आत्मविश्वास हमेशा से रहा है,' साइमन्स ने आगे कहा।

सीएसके ने सीजन की अपनी पहली जीत दर्ज करते हुए घर पर लगातार छह मैचों में हार का सिलसिला तोड़ा। डीसी द्वारा पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहे जाने पर, सैमसन (56 गेंदों में 115* रन, 15 चौके और चार छक्के सहित) और आयुष म्हात्रे (36 गेंदों में 59 रन, तीन चौके और चार छक्के सहित) ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत दिलाई।

सीएसके ने 20 ओवर में 212/2 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए, पथुम निस्संका (24 गेंदों में 41 रन, जिसमें पांच चौके और दो छक्के शामिल थे) ने केएल राहुल के साथ 62 रन की साझेदारी की, और ट्रिस्टन स्टब्स ने 30 गेंदों में 60 रन की साहसिक पारी खेली, लेकिन डीसी की बल्लेबाजी यहीं खत्म हो गई, क्योंकि ओवरटन (4/18) और कंबोज (3/35) ने नियमित अंतराल पर विकेट लिए।

सीएसके नौवें स्थान पर है, जिसने एक जीत और तीन हार दर्ज की हैं। डीसी चौथे स्थान पर है, जिसने दो जीत और दो हार दर्ज की हैं।

त्रासदी से विजय तक: कटरा की तीरंदाजी अकादमी के समर्थन ने पायल नाग के सफर को गति दी

कटरा, एजेंसी। आठ साल की उम्र में बिजली का झटका लगने से अपने चारों हाथ-पैर गंवा बैठी पायल नाग का जन्म ओडिशा में एक दिहाड़ी मजदूर राजमिस्त्री के घर हुआ था। उनके लिए हालात बेहद मुश्किल थे। फिर भी, अपने अटूट दृढ़ संकल्प और कटरा स्थित श्री माता वैष्णो देवी तीरंदाजी अकादमी के महत्वपूर्ण सहयोग से, वह भारत की सबसे प्रेरणादायक पैरा-एथलीटों में से एक बनकर उभरी हैं और वैश्विक पैरा तीरंदाजी मंच पर शीर्ष स्थान पर पहुंच गई हैं।इस सप्ताह की शुरुआत में, पायल ने बैंकॉक में आयोजित विश्व पैरा तीरंदाजी श्रृंखला में स्वर्ण पदक जीता, जहां उन्होंने महिला पैरा कंपाउंड फाइनल में मौजूदा विश्व चैंपियन और अपनी आदर्श शीतल देवी को 139-136 से हराया। अपने पहले वरिष्ठ अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भाग लेते हुए, उन्होंने ऐतिहासिक जीत हासिल करने के लिए असाधारण संयम का प्रदर्शन किया।

पायल की तीरंदाजी की यात्रा एक अनोखे तरीके से शुरू हुई। पायल को उनके चित्रों के माध्यम से कोच कुलदीप वेदवान ने देखा, वही गुरु जिन्होंने शीतल देवी को विश्व चैंपियन बनाया था। उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए, उन्होंने उन्हें कटरा स्थित श्री माता वैष्णो देवी तीरंदाजी अकादमी में दाखिला दिलाया - यह कदम उनके लिए एक क्रांतिकारी परिवर्तन साबित हुआ।

अकादमी में उन्होंने विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए धनुष का उपयोग करके प्रशिक्षण प्राप्त किया और उन्हें न केवल विशेषज्ञ मार्गदर्शन मिला बल्कि आवश्यक तार्किक और भावनात्मक सहयोग भी प्राप्त हुआ। यह संस्थान उनकी सफलता की नींव बना, जिसने उनकी प्रतिभा को निखारा और उन्हें उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाया।

शांत स्वभाव के मामले में सैमसन धोनी से ज्यादा पीछे नहीं हैं: सीएसके के गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस

चेन्नई , एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस ने एमएस धोनी और संजू सैमसन दोनों की संयमशीलता और खेल की गहरी समझ की प्रशंसा की।

उन्होंने धोनी को उन सबसे शांत खिलाड़ियों में से एक बताया जिनके साथ उन्होंने कभी काम किया है, और कहा कि सैमसन भी कुछ इसी तरह की मानसिकता दिखाते हैं, शांत रहते हैं, आत्मविश्वासी रहते हैं और तैयारी को जरूरत से ज्यादा नहीं करते हैं।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिमंस ने कहा, 'मुझे धोनी के साथ खेलने और उनके साथ समय बिताने का सौभाग्य मिला है। वह मेरे अब तक के सबसे शांत क्रिकेटरों में से एक हैं। और संजू सैमसन भी उनसे कुछ कम नहीं हैं। वह खेल को उसी नजरिए से समझते हैं। मैंने उनमें कभी घबराहट नहीं देखी, न ही ज्यादा अभ्यास करने या कम मेहनत करने की कोई इच्छा देखी है।

भदनपुर में खनन माफिया का तांडव : सेटिंग के सहारे कानून बेअसर, आदिवासी बेहाल

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। जिले के भदनपुर दक्षिण पट्टी स्थित आदिवासी गांव अमगार में खदान संचालकों का कहर अब खुलकर सामने आ रहा है। हालात ऐसे हैं कि यहां कानून से ज्यादा सेटिंग का राज चलता नजर आ रहा है खनिज, पर्यावरण परिवहन और राजस्व विभाग की चुप्पी ने पूरे मामले को और संदिग्ध बना दिया है। गर्मी के बीच जहां आदिवासी पानी की बूंद-बूंद को तरस रहे हैं, वहीं खदानों की अंधाधुंध खुदाई धरती का सीना चीर रही है स्थानीय लोगों का आरोप है कि अमगार में संचालित दो बड़ी लाइमस्टोन खदानें अब दानवी सुरसा की तरह फैलती जा रही हैं जो जल जंगल और जमीन को निगलने पर आमादा हैं।

पहली खदान-KJS सीमेंट पर गंभीर आरोप: अमगार में केजेएस सीमेंट की भदनपुर साउथ पट्टी लाइमस्टोन माइंस, जो करीब 23 हेक्टेयर में फैली है, लगातार अपने दायरे का विस्तार कर रही है। ग्रामीणों का कहना है कि बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई हुई है लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इसे नजरअंदाज कर रहे हैं लोगों का आरोप है कि भारतीय खान ब्यूरो और खान सुरक्षा महानिदेशालय की जांच सिर्फ कागजों में सिमटकर रह जाती है यदि निष्पक्ष जांच हो जाए तो विभाग और खदान प्रबंधन की मिलीभगत का बड़ा खुलासा हो सकता है ग्रामीणों के मुताबिक, खदान का सीधा असर भूजल स्तर और हवा की गुणवत्ता पर पड़ रहा है लेकिन प्रशासन आंख मूंदे बैठा है लोक सुनवाई में किए गए वादे भी पूरे नहीं हुए। शिकायतों के बावजूद कार्रवाई न होना कई सवाल खड़े कर रहा है सूत्रों का दावा है कि इस खदान में एक प्रभावशाली राजनीतिक परिवार की भागीदारी है जिसके चलते पूरे प्रशासनिक तंत्र को लकवा मार गया है।

दूसरी खदान- सत्ता के दम पर दंभ: भदनपुर में ही दूसरी खदान भदनपुर दक्षिण पट्टी लाइमस्टोन माइंस जो करीब 25 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली है स्थानीय लोगों के लिए और भी बड़ी मुसीबत बन चुकी है। आरोप है कि यह खदान एक भाजपा नेता से जुड़ी है जिसके चलते प्रशासन पूरी तरह निष्क्रिय बना हुआ है कैमोर रोड से कुछ ही दूरी पर संचालित इस खदान में रोजाना हो रही ब्लास्टिंग से जमीन कांप रही है और आसपास के जलस्रोत तेजी से खत्म हो रहे हैं पास में वन भूमि होने के बावजूद कागजों में नियमों का पालन दिखाया जा रहा है जबकि जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है।

अधिकारियों ने गिरवी रख दी जिम्मेदारी: स्थानीय लोगों का गुस्सा अब खुलकर सामने आ रहा है उनका कहना है कि प्रशासनिक अधिकारी खदान संचालकों के गुलाम बन चुके हैं आदिवासी हित की बातें सिर्फ भाषणों और कागजों तक सीमित हैं विपक्ष की चुप्पी और आदिवासी नेताओं की निष्क्रियता पर भी सवाल उठ रहे हैं ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो उन्हें खुद सड़कों पर उतरना पड़ेगा अब निगाहें कलेक्टर पर लोगों को उम्मीद है कि जिले की नई कलेक्टर जमीनी हकीकत समझकर निष्पक्ष कार्रवाई करेंगी और आदिवासियों को राहत दिलाएंगी फिलहाल बड़ा सवाल यही है-क्या प्रशासन जागेगा या फिर सेटिंग के साए में भदनपुर की धरती यूं ही लहूलुहान होती रहेगी।

नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा 25 अप्रैल तक होगा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राज्य शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि मध्यप्रदेश में आगामी 10 अप्रैल से 25 अप्रैल 2026 तक नारी शक्ति वंदन पखवाडा मनाया जाएगा। इस पखवाडे में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के बारे में आम नागरिकों को अवगत कराया जायेगा यह पखवाड़ा एक उत्सव के रूप में प्रदेश भर में मनाया जावेगा पखवाड़े के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जायगे नारी शक्ति वंदन के संबंध में व्याख्यान हेतु हंसध्वनि सभागार, रविन्द्र भवनभोपाल में प्रबुद्धजन का सम्मेलन (टाउन हाल) आयोजित किया जाएगा। प्रदेश के संभाग मुख्यालयों तथा छिन्दवाड़ा, खरगौन एवं मंदसौर जिला मुख्यालयों पर नारी शक्ति वंदन सम्मेलन आयोजित किये जाएगे। इन सम्मेलनों में महिला सांसद, महिला विधायक, महिला महापौर, महिला जिला पंचायत अध्यक्ष, महिला नगर पालिका अध्यक्ष, महिला जनपद पंचायत अध्यक्ष, महिला पंच/सरपंच, महिला पार्षद, महिला उद्यमी एवं अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं इत्यादि को आमंत्रित किया जाएगा। इस पखवाडे के तहत लोकसभा क्षेत्र/विधानसभा क्षेत्रों में नारी शक्ति पदयात्रा आयोजित की जाए। इस पदयात्रा में प्रबुद्ध महिलाओं को जोड़ा जाए। युवा वर्ग द्वारा नारी शक्ति वंदन दीवार तैयार की जायेगी। इस दीवार में संदेश भी लिखे जायेंगे। महिला संगठन, महिला स्व-सहायता समूह, लखपति दीदी, लाडली बहना आदि को अभियान से जोड़ा जायेगा त्रि-स्तरीय पंचायतों में नारी शक्ति वंदन के संबंध में गोष्ठी/सेमीनार इत्यादि आयोजित कराई जाएगी डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। जिसमें डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पाजंलि के साथ ग्राम सभा में नारी शक्ति वंदन के संबंध में चर्चा कराई जायेगी।

क्या मंदिर में वीआईपी संस्कृति बढ़ रही है पुजारी की भूमिका पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मां शारदा मंदिर में इन दिनों एक नई बहस ने जन्म लिया है कुछ श्रद्धालु और स्थानीय लोग मंदिर में बढ़ती वीआईपी संस्कृति पर सवाल उठा रहे हैं उनका कहना है कि हाल के दिनों में मंदिर के पुजारी कुछ नेताओं और अधिकारियों को विशेष प्राथमिकता दे रहे हैं। कुछ घटनाएं भी चर्चा का विषय बनी हैं, जैसे दर्शन के बाद इन प्रभावशाली व्यक्तियों को बाहर तक छोड़ने की प्रक्रिया यह विशेष व्यवहार सामान्य श्रद्धालुओं के लिए असहज स्थिति पैदा कर सकता है समानता का सवाल कई श्रद्धालुओं का मानना है कि मंदिर जैसे पवित्र स्थान पर सभी भक्तों को समान सम्मान मिलना चाहिए, न कि उनकी सामाजिक

स्थिति पद या प्रभाव के आधार पर भेदभाव किया जाए इस प्रकार की वीआईपी संस्कृति से यह संदेश जा सकता है कि कुछ भक्तों को विशेष उपचार मिलता है, जो धार्मिक स्थान की पवित्रता और समानता के सिद्धांतों के खिलाफ है इस मामले में कई लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या यह वीआईपी व्यक्तियों पर किसी दबाव का असर है या फिर उन्हें जानबूझकर प्राथमिकता दी जा रही है। मंदिर प्रबंधन की चुप्पी हालांकि मंदिर प्रबंधन की ओर से इस मुद्दे पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है सोशल मीडिया पर यह मुद्दा तेजी से वायरल हो रहा है, और लोग अपनी राय खुलकर व्यक्त कर रहे हैं आगे क्या होगा अब देखना यह है कि मंदिर प्रशासन इस मुद्दे पर क्या कदम उठाता है और क्या सभी श्रद्धालुओं के लिए समान व्यवस्था सुनिश्चित की जाती है।

समूहों को खरीदी केन्द्र देने बड़े लेन-देन की चर्चा

बजरंग महिला स्व सहायता समूह बिहटा को पुनः खरीदी केन्द्र देने चल रहा बड़ा खेल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्ट्रेट के गलियारे से उड़ती हुई खबर सामने आ रही है कि समूहों को खरीदी केन्द्र देने बड़ा खेल चल रहा है। जिसमें डीएम नान विभाग के कई कर्मचारियों और अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है। दो दिन पूर्व जिले के 73 खरीदी केन्द्रों की लिस्ट जारी हो गई है। जिसमें आधा दर्जन से अधिक समितियों को खरीदी केन्द्र नहीं मिला है। जिन समितियों को खरीदी केन्द्र नहीं मिला है उनके खिलाफ पिछले धान खरीदी सीजन में अनियमितता पाई गई थी। अभी भी 18 खरीदी केन्द्र खाली है जिनके संबंध में कवायद चल रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बजरंग महिला स्व सहायता समूह बिहटा को एक बार फिर से खरीदी केन्द्र देने की मुहर लग गई है। जबकि इस केन्द्र में पिछले धान खरीदी सीजन में काफी मात्रा में अनियमितता पाई गई थी जिसके बाद मामला दर्ज हुआ था। जानकारों ने बताया कि कलेक्ट्रेट में पदस्थ एक अधिकारी द्वारा बजरंग महिला स्व सहायता समूह को खरीदी केन्द्र दिलवाने पूरा प्रयास चल रहा है। चर्चा यह भी है कि सोमवार को भोपाल अनुमोदन के लिए फाईल जा सकती है।

इस समितियों को नहीं मिला खरीदी केन्द्र:

जिला प्रशासन द्वारा खरीदी केन्द्रों की जारी की गई लिस्ट में सेवा सहकारी समिति पिथौराबाद, इचौल, शिवराजपुर, सेमरवारा, सुरदहा, नयागांव चित्रकूट, सराय और महकहरी खरीदी केन्द्र नहीं मिला है।

बोनान्ज़ा स्कूल का परीक्षा परिणाम 2026 : शत-प्रतिशत सफलता

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बोनान्ज़ा कक्षा नर्सरी से 11वीं तक का परीक्षा परिणाम 2026 में शत-प्रतिशत सफलता के साथ सामने आया इस वर्ष विद्यालय के अधिकांश छात्रों ने 85% से अधिक अंक प्राप्त किए, जो उनकी कड़ी मेहनत और शिक्षकों की समर्पित मार्गदर्शन का परिणाम है यह सफलता न केवल विद्यार्थियों के लिए, बल्कि विद्यालय परिवार के लिए भी गर्व का विषय है विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने पूरे साल भर अपने छात्रों के उज्जवल भविष्य के लिए अथक प्रयास किए। विद्यालय प्रबंधन का यह उद्देश्य रहा है कि हर छात्र सिर्फ शैक्षिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि व्यक्तिगत और सामाजिक दृष्टिकोण से भी एक आदर्श

व्यक्ति बने। इसके तहत विद्यार्थियों को न केवल अकादमिक शिक्षा दी जाती है, बल्कि उन्हें जीवन में अनुशासन, शिष्टाचार, आत्म-संयम और व्यवहारकुशलता का भी पाठ पढ़ाया जाता है। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर दिलीप अरोरा चेयरपर्सन गौरव अरोरा एवं प्राचार्या रश्मि श्रीवास्तव ने समस्त विद्यार्थियों और उनके परिवारजनों को इस बेहतरीन सफलता पर बधाई दी। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों के सुनहरे भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यही सफलता आगे चलकर और भी बड़ी उपलब्धियों का मार्ग प्रशस्त करेगी उक्त सभी छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय प्रबंधन, माता-पिता और अपनी कड़ी मेहनत को दिया, और इस सफलता को एक नए अध्याय की शुरुआत के रूप में देखा।

धूमधाम से मनाई जाएगी डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार जिले में व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर मैहर जिले में 10 अप्रैल से 14 अप्रैल 2026 तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग के जिला संयोजक द्वारा निर्देश जारी किए गए हैं। विशेष रूप से 14 अप्रैल 2026 को जिला एवं विकासखंड स्तर पर प्रमुख आयोजन सुनिश्चित किए गए हैं। जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम 14 अप्रैल को दोपहर 12 बजे एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय मैहर के ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा।

भेंड़ा में भोलेनाथ प्राण प्रतिष्ठा संग महापंचायत, कांग्रेस नेताओं का होगा जमावड़ा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कांग्रेस नेता रामनिवास उरमलिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 20 अप्रैल को भेंड़ गांव में एक भव्य धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा इस अवसर पर नेशनल हाईवे किनारे स्थित मंदिर के जीर्णोद्धार के बाद भगवान भोलेनाथ की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होगी उन्होंने बताया कि इस धार्मिक आयोजन के साथ ही किसान, पीड़ित, शोषित एवं वंचित वर्गों के मुद्दों को लेकर एक महापंचायत का आयोजन भी किया जाएगा इस कार्यक्रम में विंध्य क्षेत्र के कई बड़े कांग्रेस नेता एक मंच पर नजर आएंगे, जिससे इसे राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है रामनिवास उरमलिया ने बताया कि कार्यक्रम में पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल तथा पूर्व उद्योग मंत्री एवं वर्तमान अमरपाटन विधायक डॉ. राजेंद्र सिंह की विशेष उपस्थिति रहेगी इस मंच के माध्यम से किसानों और वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई का आगाज किया जाएगा उन्होंने कहा कि यह आंदोलन समाज के अंतिम व्यक्ति के हितों की रक्षा के लिए है, जो आज भी अपनी समस्याओं के समाधान के लिए भटकने को मजबूर है साथ ही यह संघर्ष बाबा साहब के संविधान की रक्षा और सामाजिक न्याय की स्थापना के उद्देश्य से किया जा रहा है उरमलिया ने क्षेत्र की जनता से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक संख्या में 20 अप्रैल को भेंड़ पहुंचकर इस आयोजन को सफल बनाएं और कांग्रेस का साथ देकर इस अभियान को मजबूत करें।

लड्डू खिलाकर दी चेतावनी,अब नहीं सहेंगे मौत की सड़क पर ओवरलोड ट्रकों का आतंक

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। भदनपुर-बराखुर्द मार्ग पर अब ग्रामीणों का सब्र जवाब दे चुका है सीमेंट प्लांट की ओर जाने वाले पत्थरों से लदे ओवरलोड ट्रकों ने इस सड़क को पूरी तरह तबाह कर दिया है हालात ऐसे हैं कि सड़क अब सड़क नहीं गड्ढों का जाल बन चुकी है-जहां हर पल हादसे का खतरा मंडरा रहा है रविवार को गुस्साए ग्रामीणों ने अनोखा विरोध दर्ज कराया उन्होंने सड़क से गुजर रहे ट्रकों को रोककर चालकों को लड्डू खिलाए लेकिन इसके साथ ही सख्त चेतावनी भी दे डाली। ग्रामीणों ने साफ कहा- यह कोई हाईवे नहीं हमारी रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी ग्रामीण सड़क है इसे बर्बाद करने का हक किसी को नहीं स्थानीय लोगों का

आरोप है कि 24 घंटे चलने वाले ओवरलोड ट्रकों से उड़ने वाली धूल ने जीना मुहाल कर दिया है बच्चे बुजुर्ग और राहगीर सभी इस समस्या से जूझ रहे हैं सांस लेना तक मुश्किल हो रहा है, वहीं गड्ढों से भरी सड़क दुर्घटनाओं को न्योता दे रही है ग्रामीणों ने प्रशासन और ट्रांसपोर्टरों से मांग की है कि जब तक सड़क की मरम्मत नहीं होती तब तक ये भारी वाहन सीमेंट प्लांट की निजी सड़क या स्टेट हाईवे का इस्तेमाल करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि- अगर ओवरलोड ट्रकों का आवागमन नहीं रुका, तो आने वाले दिनों में हम पूरी तरह सड़क जाम कर ट्रकों की एंट्री बंद कर देंगे यह विरोध सिर्फ नाराजगी नहीं, बल्कि उस व्यवस्था पर सवाल है जहां विकास के नाम पर ग्रामीणों की जिंदगी खतरे में डाली जा रही है अब देखना होगा कि प्रशासन इस चेतावनी को कितनी गंभीरता से लेता है, या फिर किसी बड़े हादसे के बाद ही जागेगा।

स्वर कोकिला आशा भोंसले ने अनगिनत पीढ़ियों के हृदय में स्थायी स्थान बनाया शुक्ल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भोंसले के निधन पर व्यक्त किया गहन शोक सतना 12 अप्रैल 2026/उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने संगीत जगत की अनुपम स्वर साधिका आशा भोंसले के निधन पर गहन शोक व्यक्त किया है उन्होंने कहा कि यह समाचार अत्यंत पीड़ादायक है और भारतीय संगीत जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि आशा भोंसले की अद्वितीय गायकी भावपूर्ण स्वर और बहुमुखी प्रतिभा ने भारतीय संगीत को वैश्विक पहचान दिलाई उनकी आवाज ने अनगिनत पीढ़ियों के हृदय में स्थायी स्थान बनाया है और उनके गीत सदैव प्रेरणा देते रहेंगे उन्होंने कहा कि उनका निधन केवल एक महान कलाकार का नहींबल्कि एक युग के अंत के समान है। संगीत जगत में उनकी कमी हमेशा महसूस की जाएगी। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने और शोक संतप्त परिजन और असंख्य प्रशंसकों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

जिला सतर्कता एवं मानीटरिंग समिति की बैठक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार अधिनियम 1989 एवं अत्याचार निवारण नियम संशोधित 2016 के तहत शासन के निर्णय अनुसार 8 अप्रैल से 14 अप्रैल तक डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। साथ ही जिला स्तरीय सतर्कता एवं मानीटरिंग समिति की बैठक कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सतना डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में 13 अप्रैल 2026 को सायं 5 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित गई है। जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग ने बताया कि बैठक में अधिनियम 1989 के अंतर्गत नियम 1995 संशोधित 2016 के तहत विभिन्न उपबंधों के तहत विभिन्न श्रेणी के प्रकरण स्वीकृत और भुगतान राशि विभिन्न श्रेणी के पीड़ितो को स्वीकृत एवं भुगतान राशि, अधिनियम के उपबंधो के क्रियान्वयन के लिये जिम्मेदार अधिकारियों एवं अभिकरणों की भूमिका के संबंध में, विशेष न्यायालय में अधिनियम के अंतर्गत विचाराधीन एवं निराकृत मामलों एवं पुलिस में दर्ज प्रकरण और अनुसंधान में लंबित मामलों के संबंध में चर्चा की जायेगी।

सतना के राइस मिलरों को हाईकोर्ट से राहत, 67 की जगह 55 ' चावल जमा करने की अनुमति

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के राइस मिलरों को खरीफ सीजन 2025-26 के लिए उच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिली है अब मिलरों को धान की मिलिंग के बाद 67 प्रतिशत के बजाय केवल 55 प्रतिशत चावल जमा करना होगा यह आदेश मिल संचालकों के लिए एक बड़ी राहत साबित हुआ है, क्योंकि पहले उन्हें अधिक चावल जमा करने का आदेश दिया गया था जो उनके लिए व्यवहारिक रूप से संभव नहीं था जिले के लगभग 9 प्रमुख राइस मिलरों जिनमें गेवीनाथ राइस मिल सूंघा राइस मिल सत्यम राइस मिल स्वामी निर्भयदास जी राइस मिल मधुसूदन राइस मिल

और पीएसयूटी राइस मिल सहित अन्य मिल शामिल हैं ने इस मामले में उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। इन मिलों के संचालकों का तर्क था कि समर्थन मूल्य पर खरीदे गए धान से वास्तविक रूप से केवल 55 प्रतिशत चावल ही निकलता है, जबकि सरकार द्वारा 67 प्रतिशत चावल जमा करने का निर्देश दिया जा रहा था जो लगभग 12 प्रतिशत अधिक था। यह अंतर मिल संचालकों के लिए आर्थिक रूप से कठिनाईपूर्ण था और उन्होंने इसे असंभव बताया था हाईकोर्ट ने इस याचिका पर विचार करते हुए मिलरों के पक्ष में फैसला सुनाया और उन्हें 67 प्रतिशत के बजाय केवल 55 प्रतिशत चावल जमा करने की अनुमति दी। इसके बाद जिला नान (नागरिक आपूर्ति निगम) कार्यालय को इस आदेश से अवगत कराया गया। जिला प्रबंधक पंकज बोरसे ने भोपाल मुख्यालय से मार्गदर्शन मांगा है ताकि इस आदेश के पालन में कोई त्रुटि न हो और इसे सही तरीके से लागू किया जा सके मिल संचालकों ने यह भी मांग की है कि पोर्टल में सुधार किया जाए, ताकि 55 प्रतिशत चावल जमा करने की प्रक्रिया को सुचारू रूप से लागू किया जा सके। इसके अलावा, उन्होंने इस मामले में किसी भी प्रकार की कार्रवाई रोकने की भी अपील की है जिससे उन्हें और अन्य मिलों को राहत मिल सके हाईकोर्ट के इस फैसले से सतना जिले के राइस मिलरों को बड़ी राहत मिली है लेकिन अब सभी की नजरें प्रशासन पर टिकी हैं कि वह इस आदेश को जमीनी स्तर पर कितनी तेजी और पारदर्शिता से लागू करता है। इस निर्णय का असर न केवल मिल संचालकों पर, बल्कि खाद्य आपूर्ति व्यवस्था पर भी पड़ने की संभावना है और इसके परिणामों पर प्रशासन को भी ध्यान देना होगा।

50 साल पुराने चंदन पेड़ चोरी रिटायर्ड आर्मी मैन की बगिया से दो पेड़ काटे; 12 दिन में दूसरी वारदात

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। चंदन के पेड़ चोरी करने वाला गिरोह सक्रिय है। 12 दिन के भीतर यह दूसरी बड़ी वारदात है नागौद ब्लॉक के कचनार गांव में एक रिटायर्ड आर्मी मैन की बगिया से शनिवार-रविवार की दरमियानी रात अज्ञात बदमाशों ने 50 साल पुराने चंदन के दो विशाल पेड़ काट लिए रिटायर्ड आर्मी मैन पुष्पेंद्र सिंह के घर से लगी बगिया में मंदिर के चारों ओर कुल 20 चंदन के पेड़ लगे थे रात में परिवार के सदस्य सो रहे थे तभी चोरों ने दो पेड़ काट लिए इसके अलावा दो अन्य चंदन के पेड़ों पर भी चीरा लगाकर छोड़ दिया गया घटना की जानकारी सुबह होने पर नागौद थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई पुलिस के अनुसार, इतने विशाल पेड़ों को आरी से काटा गया है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।